गुस्ताखी माफ

उम्र नहीं है आपकी, छोटे बच्चे आप।
थोड़े-से हो लो बड़े, फिर करना हर पाप।
फिर करना हर पाप, यहां पर बड़ा गंद है।
तब तक इंटरनेट, आप के लिए बंद है।
कह साहिल कविराय, बड़ों को शर्म नहीं है।
छोटे बच्चे आप, आपकी उम्र नहीं है।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 195 | THURSDAY 23-07-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

निगम में बड़ा खेला: अवैध इमारतें बनवाने पर बिल्डिंग इंस्पेक्टर को किया सस्पेंड, 8 दिन बाद ही बहाल

दो उच्च अधिकारियों की सिफारिश के बाद सस्पेंशन रद्द होने की चर्चाएं

राजदीप सिंह सैनी

लुधियाना/यूटर्न/22 जुलाई। नगर निगम लुधियाना में पहले पर्दे के पीछे हेरफेर होने की चचाएं सुनने को मिलती थी। लेकिन अब पर्दे के पीछे नहीं बल्कि सरेआम बड़ा खेला कर दिया गया। दरअसल, अवैध इमारतों को बढ़ावा देने और शिकायतों के बावजूद कार्रवाई न करने के चलते नगर निगम जोन-सी की बिल्डिंग ब्रांच में तैनात इंस्पेक्टर दिलीप कुमार सोनी को सस्पेंड किया गया था। लेकिन हैरानी की बात तो यह है कि मात्र आठ दिन बाद ही सस्पेंशन रद्द कर दी गई। यहां तक कि उन्हें दोबारा ड्यूटी पर तैनात कर दिया गया है। जिसके चलते निगम में चचाएं छिड़ गई है कि आखिर इन अफसरों के पास ऐसी कौन सी जादू की छड़ी है, जिसके घुमाने पर तुरंत उन पर शुरू हुई कार्रवाई रुक जाती है। चर्चा है कि चंडीगढ़ और लुधियाना के दो उच्च अधिकारियों की छत्रछाया और सिफारिश के बाद ही सस्पेंशन रद्द की गई है। पूरा दिन कारपोरेशन में यह मामला चर्चा का विषय बना रहा। उन दो उच्च अधिकारियों के बारे में सभी अच्छे से जानते हैं, लेकिन फिर भी जानबूझकर एक दूसरे से नाम पूछने के बहाने चुटकी लेते नजर आए। अब सभी की नजरें कमिश्नर ओजस्वी पर हैं कि आखिर वे क्या एक्शन लेते हैं।

इंस्पेक्टर मक्कड़ पर भी कार्रवाई अधूरी...पूर्व कमिश्नर की सिफारिश पर इंस्पेक्टर सोनी पर तो कुछ दिन के लिए एक्शन हुआ, लेकिन इंस्पेक्टर हरमिंदर सिंह मक्कड़ खिलाफ चार्जशीट की कार्रवाई अधूरी छोड़ दी गई। हालांकि दोनों अफसरों पर कार्रवाई एक साथ शुरू हुई थी। चर्चा है कि अफसरों द्वारा चंडीगढ़ में सिफारिशें लगवाई गई हैं, जिसके चलते कार्रवाई नहीं की जा रही। इंस्पेक्टर मक्कड़ पर जोन-ए के अधीन आती पुरानी कोतवाली एरिया में छह मंजिलां अवैध इमारत पर कार्रवाई न करने, भदौड़ हाउस में होटल विक्रांत समेत चार होटल और शू मार्केट के पास होटल नीलकंठ के कुछ कमरे ही सील करने के

इंस्पेक्टर दिलीप कुमार सोनी

पूर्व कमिश्नर ने की कार्रवाई, तबादला होते ही एक्शन रुका...बता दें कि पूर्व कमिश्नर डॉ. नीरू कत्याल गुप्ता की और से बिल्डिंग इंस्पेक्टर दिलीप कुमार सोनी और हरमिंदर सिंह मक्कड़ के खिलाफ अवैध इमारतों पर एक्शन न लेकर लापरवाही करने के आरोप में कार्रवाई शुरू की थी। उन्होंने लोकल बॉडी विभाग के सेक्रेटरी को एक्शन लेने को लिखित में भेजा था। जिसके बाद कार्रवाई का प्रोसेस शुरू हुआ और कमिश्नर का तबादला हो गया। नए कमिश्नर ओजस्वीं के चार्ज लेने के कुछ दिन बाद 13 जुलाई को उक्त कार्रवाई को पूरा कर इंस्पेक्टर सोनी को

एसआईआर में मुलाजिमों की कमी का दिया हवाला...चर्चा है कि सस्पेंशन के लिए पूरा प्लान बनाया गया। इसके लिए लुधियाना के एक उच्च अधिकारी की सिफारिश हुई। इसके लिए स्पेशल एक पत्र चंडीगढ़ भेजा गया, जिसमें लिखा गया कि इंस्पेक्टर दिलीप कुमार सोनी की एसआईआर प्रक्रिया में ड्यूटी लगाई गई थी। लेकिन इस दौरान उन्हें सस्पेंड कर दिया गया। एसआईआर प्रक्रिया में मुलाजिमों की कमी है और इसे समय पर पूरा करना जरुरी है। जिसके चलते इंस्पेक्टर की सस्पेंशन को रद्द किया जाए। चंडीगढ़ बैठे एक उच्च अधिकारी द्वारा इस पत्र को तुरंत प्रभाव से असेप्ट कर लिया गया। चर्चा है कि पूरा खेल पहले से तैयार था, सिर्फ एक बहाना तैयार करना था। वे तैयार होते ही सस्पेंशन रद्द कर दी गई। अफसर के पत्र मुताबिक शायद निगम में अफसरों की कमी है। अगर कमी है, तो सरकार को नई भर्तियां करनी चाहिए।

सस्पेंड किया गया। लेकिन फिर 21 जुलाई को बहाल भी कर दिया। उन्होंने जोन-ए में रिपोर्ट भी कर दी। ऐसा कर कहीं न कहीं आईएएस अधिकारी पूर्व कमिश्नर के आदेशों का भी उल्लंघन किया गया है।

जनता पूछे, गलत अधिकारी, आठ दिन में कैसे हुए सही...वहीं शहरवासियों द्वारा इस मामले को लेकर कई तरह के सवाल किए जा रहे हैं। चर्चा है कि महिला आईएएस अधिकारी डॉ. नीरू कत्याल का नाम सबसे ईमानदार, साफ छवि और सख्त एक्शन लेने वाले अफसरों में आता है। उनके द्वारा बिल्डिंग इंस्पेक्टर की कार्यप्रणाली देखकर सस्पेंशन की सिफारिश की जाती है। अगर एक अधिकारी आठ दिन पहले गलत था, तो आठ दिन बाद ही वे कैसे सही हो गया। चर्चा है कि दाल में कुछ काला या पूरी दाल ही काली है, यह आना वाला समय ही बताएगा।

अवैध इमारतें कंपाउंड पर दिया जोर...इंस्पेक्टर दिलीप कुमार सोनी पर कई अवैध इमारतों को गलत कंपाउंड करने के आरोप लगे हैं। उन पर जोन-बी अधीन आते सुंदर नगर में बहु मंजिलीं बिल्डिंग निर्माण कराने के आरोप लगे। जोन-सी अधीन आती लोहा मार्केट में स्टील फर्म की कमर्शियल इमारत गलत कंपाउंड करने और न्यू जनता नगर के रिहायशी एरिया में कमर्शियल इमारत बनवाने के आरोप लगे। डाबा में एक अवैध स्कूल मामले में दो साल से कार्रवाई अधूरी पड़ी है। इन सभी मामलों के सामने आने के बाद उन पर कार्रवाई शुरू की गई थी।

आरोप लग चुके हैं। लेकिन हैरानी की बात तो यह है कि आरोप लगने और चार्जशीट की कार्रवाई शुरू होने के बावजूद वे उसी जोन में आज भी ड्यूटी दे रहे हैं। मामले संबंधी कमिश्नर ओजस्वी से बातचीत का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। हालांकि दोनों अधिकारियों द्वारा खुद को बेकसूर बताया जाता है।

पॉलीवुड से बॉलीवुड सेलेब्रिटीज तक छाया 'Vibha Amit' लुधियाना का 'House of Royals' बना लग्जरी फैशन की नई पहचान

शादी सिर्फ एक रस्म नहीं, बल्कि हर इंसान के जीवन का सबसे यादगार पल होती है। हर दुल्हन चाहती है कि जब वह मंडप तक पहुंचे तो हर निगाह उसी पर ठहर जाए, और हर दूल्हा चाहता है कि उसका अंदाज भी किसी शाही व्यक्तित्व से कम न लगे। लेकिन इन सपनों को हकीकत का रूप देने के पीछे भी कुछ ऐसे लोग होते हैं, जो अपने हुनर, मेहनत और कल्पना से यादों को पहनने लायक बना देते हैं। लुधियाना के लग्जरी फैशन जगत में ऐसा ही एक नाम है— "VibhÔ Amit" 'House of Royals' की पहचान बना यह डिजाइन लेबल आज सिर्फ कपड़े नहीं बनाता, बल्कि लोगों के सबसे खास पलों को शाही एहसास देता है। हमने बात की डिजाइनर जोड़ी विभा और अमित से, जिन्होंने अपने संघर्ष, जुनून और सफलता की कहानी खुलकर साझा की।

हर बड़ा ब्रांड कभी एक छोटे से सपने के रूप में शुरू होता है। "Vibha Amit" की शुरूआत कैसे हुई?

अमितः इसकी शुरूआत किसी बिजनेस प्लान से नहीं, बल्कि हमारे साझा जुनून से हुई। परिवार की तरफ से कोई दबाव नहीं था कि स्टूडियो खोलना है या फैशन में ही जाना है। बस कपड़ों के प्रति हमारा प्यार था। धीरे-धीरे सफर आगे बढ़ता गया और भगवान, हमारी टीम और कारीगरों के आशीर्वाद से आज हम यहां तक पहुंचे हैं।

"Vibha Amit" नाम रखने का विचार कैसे आया?

विभाः लुधियाना हमेशा से फैशन को समझने वाला शहर रहा है। यहां लोग अपने कपड़ों पर दिल खोलकर खर्च करते हैं। मैं ऐसा लेबल बनाना चाहती थी जो लग्जरी और बेहतरीन क्वालिटी का पर्याय बने। अमित को हमेशा से रॉयल लुक और लक्जरी स्टाइल पसंद था। लोगों ने हमारे डिजाइन किए हुए कपड़ों की तारीफ करनी शुरू की। रिश्तेदार विदेशों से कपड़े मंगवाने लगे और वहीं से यह सफर एक ब्रांड में बदल गया।

फैशन इंडस्ट्री में आने से पहले आपका प्रोफेशनल बैकग्राउंड क्या था?

अमितः मैंने दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज से ग्रेजुएशन और पुणे से एमबीए किया। लेकिन कपड़ों के प्रति लगाव बचपन से था। मैं अपने माता-पिता के लिए भी आउटफिट, बेल्ट और मोजों तक का चयन करता था। करीब दस साल तक होजरी इंडस्ट्री में काम किया। वहीं से फैशन की समझ और गहरी होती चली गई।

विभाः मैं अक्सर एम्ब्रॉयडरी और कलर कॉम्बिनेशन को लेकर अमित की राय लेती थी। धीरे-धीरे यह हमारी टीमवर्क बन गई।

अक्सर महिलाएं शिकायत करती हैं कि पति उनके फैशन में दिलचस्पी नहीं लेते, लेकिन आपके साथ बिल्कुल उल्टा है।

विभाः मैं खुद को बहुत खुशनसीब मानती हूं। अमित की राय मेरे लिए हमेशा मायने रखती है।

आपका टैगलाइन "House of Royals" है। इतनी बड़ी पहचान को बनाए रखना कितना चुनौतीपूर्ण है?

विभाः मैं हर आउटफिट ऐसे डिजाइन करती हूं जैसे वह मेरे लिए हो। जब आप अपने लिए कुछ बनाते हैं तो कोई समझौता नहीं करते। यही सोच हमारे हर डिजाइन में दिखाई देती है।

अमितः हमारा काम सिर्फ ऑर्डर लेने तक सीमित नहीं है। ट्रायल से लेकर फाइनल डिलीवरी तक हम ग्राहक के साथ रहते हैं। आउटफिट देने के बाद भी हमारा रिश्ता खत्म नहीं होता।

विभाः आज कपड़े महंगे हैं। ग्राहक अपनी मेहनत की कमाई खर्च करता है। कई बार वह आउटफिट शादी या मेहंदी जैसे भावनात्मक अवसर के लिए होता है। इसलिए हम उसके भरोसे के साथ कभी समझौता नहीं करते।

आज लुधियाना में कई डिजाइनर हैं। इतनी प्रतिस्पर्धा के बीच खुद को अलग कैसे रखते हैं?

विभाः हम क्वालिटी से कभी समझौता नहीं करते। ग्राहक को धोखा देकर कोई ब्रांड लंबे समय तक नहीं चल सकता। प्रतियोगिता हमें बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती है।

अमितः लुधियाना के सभी डिजाइनर शानदार काम कर रहे हैं। हम प्रतिस्पर्धा को सकारात्मक नजरिए से देखते हैं। अगर कोई ग्राहक हमसे नहीं खरीदता लेकिन सलाह मांगता है, तो हम खुशी-खुशी उसकी मदद करते हैं।

जब आपने अपना स्टूडियो शुरू किया, उस समय का अनुभव कैसा था?

अमितः लुधियाना, मेरे दोस्तों, रिश्तेदारों और माता-पिता का आशीर्वाद हमारे साथ था। लोगों ने हमें लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वही हमारा सबसे बड़ा आत्मविश्वास बना।

विभाः शुरूआत बहुत छोटे स्टोर से हुई थी। आज जो कुछ भी है, वह लोगों के भरोसे और प्यार की वजह से है।

आपने बॉलीवुड और सेलिब्रिटी स्टाइलिंग भी की है। वह अनुभव कैसा रहा?

विभाः यह हमारे लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं है। जब कोई सेलिब्रिटी आपके डिजाइन पहनता है और सोशल मीडिया पर साझा करता है, तो और बेहतर काम करने की प्रेरणा मिलती है।

अमितः पंजाबी इंडस्ट्री का हम पर बहुत बड़ा योगदान है। हमारे कलाकारों ने हमेशा हमें आगे बढ़ने का हौसला दिया है।

आज के युवाओं में फैशन को लेकर कितना बदलाव आया है?

अमितः आज लड़के भी फैशन को लेकर उतने ही जागरूक हैं जितनी लड़कियां। कई बार नई पीढ़ी हमें भी नई चीजें सिखाती है।

विभाः पहले हमारे अधिकतर ग्राहक महिलाएं थीं, लेकिन अब पुरुष भी अपने लुक और स्टाइल पर खुलकर निवेश कर रहे हैं।

नए डिजाइनरों और युवाओं के लिए आपका क्या संदेश है?

अमितः सिर्फ सपना देखना काफी नहीं है। उसके लिए लक्ष्य, योजना और समय-सीमा तय करनी जरूरी है।

विभाः यह इंडस्ट्री बाहर से जितनी ग्लैमरस दिखती है, अंदर से उतनी ही मेहनत मांगती है। यहां कोई शॉर्टकट नहीं है। लगातार मेहनत, धैर्य और ईमानदारी ही सफलता का रास्ता है।

सबसे बड़ा संघर्ष क्या रहा?

अमितः शुरूआत में आर्थिक चुनौतियां थीं। अच्छी टीम बनाना आसान नहीं था। लेकिन हमने हमेशा अपने कारीगरों और कर्मचारियों को परिवार माना। आज श्ड्डँ अे३श् सिर्फ हम दोनों का नाम नहीं, बल्कि 150 से ज्यादा लोगों की मेहनत का परिणाम है।

विभाः जब आप सिर्फ अपने बारे में नहीं, बल्कि पूरी टीम के बारे में सोचते हैं, तभी सफर आसान होता है।

क्या कभी ग्राहकों को लेकर मुश्किल हालात भी आए?

अमितः चुनौतियां रोज आती हैं। कभी फिटिंग, कभी समय की दिक्कत। लेकिन हमारी कोशिश हमेशा यही रहती है कि ग्राहक को बेहतरीन अनुभव मिले। अगर कभी किसी ग्राहक को हमसे शिकायत रही हो, तो हम दिल से माफी चाहते हैं। हमारे दरवाजे हमेशा खुले हैं। हमारा उद्देश्य सिर्फ कपड़े बेचना नहीं, बल्कि भरोसा जीतना है।

मेयर सौरभ जोशी ने वार्ड नंबर-12 में विकास कार्यों का किया निरीक्षण, गुणवत्ता और समयबद्धता पर दिया जोर

चंडीगढ़/यूटर्न/22 जुलाई। नगर निगम चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी ने बुधवार को वार्ड नंबर-12 में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। वार्ड पार्षद के रूप में उन्होंने क्षेत्र में जारी परियोजनाओं की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ नगर निगम के चीफ इंजीनियर संजय अरोड़ा, इंजीनियरिंग विंग के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य निगम अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान मेयर ने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों, लंबित परियोजनाओं और प्रस्तावित नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने इंजीनियरिंग विंग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता तथा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए।

मेयर ने मौके पर स्थानीय निवासियों से भी मुलाकात की और उनकी समस्याएं व सुझाव सुने। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए तथा विकास कार्यों को सुचारु रूप से पूरा करने के लिए बेहतर समन्वय बनाए रखा जाए।

निरीक्षण के बाद मेयर सौरभ जोशी ने चीफ इंजीनियर संजय अरोड़ा और नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कार्य समीक्षा बैठक भी की। बैठक में वार्डवार चल रहे विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई और परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा हुई। मेयर ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य चंडीगढ़ में आधुनिक, टिकाऊ और जनहितैषी बुनियादी ढांचा तैयार करना है, जिससे शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावी निगरानी के साथ विकास कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

लुधियाना

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

03 गुरूवार, 23 जुलाई 2026

पेज 06 सावन माह में श्री बालाजी दरबार में सजी भव्य...

लुधियाना में सीजेपी समर्थक छात्रों का रोष मार्च, केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

लुधियाना/यूटर्न/22 जुलाई। लुधियाना में बुधवार को स्टूडेंट्स कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के समर्थन में बड़ी संख्या में छात्र सड़कों पर उतर आए। छात्रों ने किप्स मार्केट क्षेत्र में रोष मार्च निकालकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए आरोप लगाया कि प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक जैसी घटनाओं से विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि कई परिवार कर्ज लेकर बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाते हैं, लेकिन पेपर लीक जैसी घटनाओं से उनकी मेहनत पर पानी फिर जाता है। छात्रों ने यह भी कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों पर लाठीचार्ज किया जाना गलत था और इसकी निंदा की। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग की तथा सोनम वांगचुक के समर्थन में भी नारे लगाए।

भाजपा नेता जीवन गुप्ता की माता नरेश रानी गुप्ता पंचतत्व में विलीन

लुधियाना/यूटर्न/22 जुलाई। पंजाब भाजपा कोर ग्रुप के सदस्य एवं नैशनल ऑटो मोबाइल्स, स्वदेशी मोटर्स एजेंसी के जीवन गुप्ता, राजेश गुप्ता व राकेश गुप्ता की पूज्नीय माता नरेश रानी गुप्ता का बुधवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार बस स्टैंड स्थित श्मशानघाट में किया गया। नरेश रानी गुप्ता के पार्थिव शरीर को मुखाग्नि उनके सुपुत्रों ने दी। नरेश रानी गुप्ता का रस्म चौथा 23 जुलाई दिन वीरवार को सुबह 7 बजे बस स्टैंड स्थित श्मशानघाट में होगा। अंतिम संस्कार में पंजाब भाजपा के पूर्व प्रधान एवं विधायक अश्वनी शर्मा, पूर्व विधायक राकेश पांडे, आर.एस.एस. के दलबीर नंदा, यशगिरी, नगर निगम के जोनल कमिशनर जसदेव सिंह सेखों, पंजाब भाजपा के महामंत्री एडवोकेट अनिल सरीन, उप प्रधान सुभाष शर्मा, जतिंदर मित्तल, बिक्रमजीत सिंह चीमा, कोषाध्यक्ष गुरदेव शर्मा देबी, सचिव रेणू थापर, पूर्व महामंत्री प्रवीण बांसल, मीडिया पैनालिस्ट गुरदीप सिंह गोशा, कार्यकारिणी सदस्य हरीश टंडन, संजीव बांसल, हरबंस लाल फैंटा, डी.पी. खोसला सहीत तमाम राजनीतिक, सामाजिक व धार्मिक आगू मौजूद रहे।

सिविल सर्जन कार्यालय मे काम हुआ लकवा ग्रस्त

18 वॉट अटेंडेंट को रिलीव करने के बाद अधिकारी कर रहे हैं चपरासी व क्लर्क का काम

अशोक सहगल

लुधियाना यूटर्न 22 जुलाई। सिविल अस्पताल में तैनाती के लिए नियुक्त किए गए 26 वार्ड अटेंडेंट में से 18 को सिविल सर्जन दफ्तर में विभिन्न पदों पर तैनात कर दिया कई वर्षों बाद जब पोल खुली तो मजबूरी में उन्हें एक ही दिन में रिलीव करते हुए सिविल अस्पताल वापस भेज दिया परंतु इसके बाद सिविल सर्जन कार्यालय की हालत खराब हो गई वहां पर पहले कुछ पद खाली पड़े थे 18 कर्मचारियों के जाने के बाद अब हालात ऐसे हो गए हैं कि अधिकारियों को क्लर्क व चपरासी का काम भी स्वयं करना पड़ रहा है

16 क्लर्क,4 सीनियर असिस्टेंट एक सुपरिटेंडेंट का पद खाली

अचानक 18 वार्ड अटेंडेंट की पोल खोलने से इन्हें तुरंत वापस भेज दिया गया परंतु सिविल सर्जन कार्यालय के अधिकारियों का कहना है कि कार्यालय में पहले से ही कर्मचारियों की शॉर्टेज चल रही थी अब हालात और भी बदतर हो गए हैं अफसरो को क्लर्क के काम करने पड़ रहे हैं लोगों की परेशानी भी पहले से ज्यादा बढ गई है सिविल सर्जन कार्यालय में विभिन्न विभागों में कर्मचारियों की शॉर्टेज के चलते अब 16 क्लर्क की पोस्ट खाली है इसके अलावा चार सीनियर असिस्टेंट, दो आंकड़ा सहायिका तथा एक सुपरीटेंडेंट का पद खाली पड़ा है। लोगों का कहना है कि जब लोग अपने कामों के लिए सर्जन कार्यालय में जाते हैं तो काम तो हो जाते हैं परंतु विलंब से होते हैं क्योंकि कर्मचारियों की शॉर्टेज है इसलिए सरकार को चाहिए कि वहां पर तुरंत प्रभाव से कर्मचारियों की तैनाती की जाए ताकि दूर दराज से आने वाले लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े सिविल अस्पताल में निरंतर वार्ड अटेंडेंट की शॉर्टेज के चलते सरकार द्वारा 2021 में सिविल अस्पताल में मरीजों की देखभाल के लिए भर्ती किए गए 26 वार्ड अटेंडेंट रखे गए परंतु अपने रसूख का इस्तेमाल करते हुए तत्कालीन सिविल सर्जन ने इनमें से 18 कर्मचारियों को सिविल सर्जन कार्यालय में तैनात कर लिया हो इनमे फूड ब्रांच रीइंबर्समेंट, अमला शाखा, अकाउंट्स, जन्म मृत्यु विभाग तथा जनरल तथा मेडिसिन स्टोर में तैनात कर दिया। इनमें से दो कर्मचारी तो फामेर्सी का कोर्स कर चुके थे परंतु नौकरी न मिलने पर उन्होंने वार्ड अटेंडेंट के लिए अप्लाई कर दिया और उनकी नियुक्ति बतौर वार्ड अटेंडेंट तो हो गई पर इत्तेफाक से उन्हें सिविल सर्जन कार्यालय में स्थित स्टोर पर तैनात कर दिया।

इस सिलसिले में सफाई देने में अधिकारी बचते रहे सिविल सर्जन डॉक्टर रमनदीप कौर विदेश में है उनके अलावा कोई भी अपने आप को इस सिलसिले में बयान देने के बारे में ऑथराइज्ड नहीं बता रहा पर अब देखने वाली बात यह है कि 5 साल बाद सिविल सर्जन कार्यालय से वापस लौटे 18 वार्ड अटेंडेंट को वार्ड में तैनात किया जाता है या होने उनके अनुभव के आधार पर सीटे दी जाती है

पीएयू के छात्रों ने दिल्ली में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई और शिक्षा के व्यावसायीकरण के खिलाफ किया प्रदर्शन

लुधियाना/यूटर्न/22 जुलाई। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) लुधियाना के छात्रों ने बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर में एकत्र होकर दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई तथा शिक्षा के व्यावसायीकरण के विरोध में रोष प्रदर्शन किया। इस दौरान देश में बढ़ती बेरोजगारी और छात्रों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने तीन प्रस्ताव पारित किए। पहले प्रस्ताव में जेलों में बंद छात्रों की तत्काल रिहाई की मांग की गई। दूसरे प्रस्ताव में नीट (NEET) पेपर लीक मामले से प्रभावित होकर आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग उठाई गई। तीसरे प्रस्ताव के माध्यम से दिल्ली में धरने पर बैठे छात्रों की सभी मांगों को शीघ्र पूरा करने की अपील की गई।

छात्रों ने हाल ही में पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में छात्रों के साथ हुई कथित पुलिस कार्रवाई और बल प्रयोग का भी विरोध जताया। इस अवसर पर छात्र प्रतिनिधि सिमरनजीत सिंह, वंश कंबोज और खुशप्रीत सिंह सहित कई विद्यार्थियों ने अपने विचार रखे। उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों और अधिकारियों से छात्रों के लोकतांत्रिक आंदोलन का समर्थन करने की अपील की। साथ ही विश्वविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों को आ रही विभिन्न समस्याओं पर भी चर्चा की गई और उनके समाधान की मांग उठाई गई।

बात करने से इंकार करने पर 10वीं के स्टूडेंट के मुंह पर क्लासमेंट ने मारे ब्लेड, 23 टांके लगे

लुधियाना/यूटर्न/22 जुलाई। किचलू नगर स्थित एक नामी स्कूल में 10वीं क्लास के स्टूडेंट द्वारा बातचीत करने से इंकार करने पर उसी की क्लासमेंट लड़की ने मुंह पर ब्लेड मारकर जख्मी कर दिया। खून से लथपथ युवक द्वारा शोर मचाने पर स्कूल स्टॉफ मौके पर पहुंच गया। जिसके बाद लड़की वहां से भाग निकली। जख्मी स्टूडेंट्स को अस्पताल दाखिल किया गया। जहां उसके मुंह पर 23 टांके लगे हैं। परिवार द्वारा थाना पीएयू की पुलिस को शिकायत दी गई है। पीड़ित स्टूडेंट के पिता विकास के अनुसार उनका बेटा बीवीएम स्कूल में 10वीं क्लास का स्टूडेंट है। बेटे की क्लासमेंट द्वारा उस पर बातचीत करने का दबाव डाला जा रहा था। लेकिन वे मना कर रहा था। मंगलवार को बेटा स्कूल के बाहर अपने छोटे भाई बहन का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान क्लासमेंट लड़की आई और बातचीत का दबाव डाला। मना करने पर वे उसे बहाने से बातों में उलझाकर बस के पीछे ले गई। वहां उसके मुंह पर ब्लेड से वार कर जख्मी कर दिया। मामले की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है। जिसमें लड़की युवक को बस के पीछे लेकर जाते हुए दिख रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

40 हजार रुपये के विवाद में दोस्त की सिर काटकर हत्या, दोषी को उम्रकैद

सिसवां में तत्कालीन मुख्यमंत्री के फार्महाउस के पास दफनाया था शव -अदालत ने एक लाख रुपये जुर्माना भी लगाया

मोहाली/यूटर्न/22 जुलाई। बकरी के कारोबार में 40 हजार रुपये के लेनदेन के विवाद में दोस्त की सिर काटकर हत्या करने वाले दोषी को स्थानीय अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। साथ ही पीड़ित की पत्नी को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) के माध्यम से मुआवजा दिए जाने की सिफारिश की है। मामले में सबूतों के अभाव में दो सह-आरोपियों को बरी कर दिया गया।

मृतक की फाइल फोटो

परिजनों को शव तक लेकर गया कुत्ता फाइल फोटो

एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज विक्रांत कुमार की अदालत ने जागीर सिंह उर्फ घोला को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि मृतक सुच्चा सिंह की पत्नी सुनीता देवी को डीएलएसए, मोहाली के माध्यम से मुआवजा दिया जाए। अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे डिप्टी डिस्ट्रिक्ट अटार्नी हरदीप सिंह रोमाना ने बताया कि अदालत ने 17 जुलाई को आरोपी को दोषी करार दिया था।

पति के इलाज के दौरान महिला से साइबर ठगी, ऑनलाइन दवा भुगतान के बाद खाते से उड़ाए तीन लाख रुपये

मोहाली के अस्पताल में भर्ती पति की देखभाल में व्यस्त थी पीड़िता, दो दिन तक होते रहे अनधिकृत ट्रांजैक्शन, साइबर सेल ने शुरू की जांच

मोहाली/यूटर्न/22 जुलाई। पति के इलाज के लिए मोहाली आई जालंधर की एक महिला साइबर ठगी का शिकार हो गई। महिला ने अस्पताल के पास स्थित एक मेडिकल स्टोर पर दवाओं का ऑनलाइन भुगतान किया था। इसके बाद अगले दो दिनों में उसके बैंक खाते से करीब तीन लाख रुपये अनधिकृत तरीके से निकाल लिए गए। पीड़िता की शिकायत पर साइबर सेल ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि ठगी किस तकनीकी माध्यम से हुई।

पीड़िता पिंकी शर्मा ने बताया कि उनके पति का इलाज मोहाली के एक लिवर अस्पताल में चल रहा है। इलाज के दौरान उन्होंने फेज-3बी1 स्थित एक फामेर्सी से दवाएं खरीदीं और करीब 1700 रुपये का भुगतान ऑनलाइन किया। भुगतान के बाद वह पति की देखभाल में व्यस्त हो गई।

महिला के अनुसार उसी रात उनके बैंक खाते से 50 हजार रुपये का पहला अनधिकृत ट्रांजैक्शन हुआ। अस्पताल में होने और पति की तबीयत गंभीर होने के कारण उन्हें मोबाइल पर आए संदेशों पर ध्यान नहीं गया। अगले दो दिनों तक खाते से लगातार रकम निकलती रही। जब उन्होंने बैंक खाता चेक किया तो करीब तीन लाख रुपये निकल चुके थे।

घटना का पता चलते ही उन्होंने बैंक से संपर्क कर अपना खाता ब्लॉक कराया ताकि आगे कोई ट्रांजैक्शन न हो सके। इसके बाद उन्होंने साइबर सेल में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की।

1930 हेल्पलाइन पर नहीं हो पाया संपर्क

पीड़िता ने बताया कि उन्होंने राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर भी शिकायत दर्ज कराने का प्रयास किया, लेकिन कई बार कॉल करने के बावजूद संपर्क नहीं हो सका। इसके बाद उन्होंने बैंक अधिकारियों से ट्रांजेक्शन का पूरा विवरण मांगा। महिला का कहना है कि बैंक अधिकारियों ने मौखिक रूप से आशंका जताई कि जहां ऑनलाइन भुगतान किया गया था, वहां से खाते की जानकारी के दुरुपयोग की संभावना हो सकती है। हालांकि बैंक की ओर से इस संबंध में कोई लिखित पुष्टि नहीं की गई।

फामेर्सी ने आरोपों से किया इनकार

बैंक से जानकारी मिलने के बाद महिला संबंधित फामेर्सी पहुंची और घटना की जानकारी दी। उनका आरोप है कि फामेर्सी संचालकों ने किसी भी तरह की लापरवाही से इनकार करते हुए जिम्मेदारी लेने से मना कर दिया। इसके बाद उन्होंने कानूनी कार्रवाई के लिए साइबर सेल का रुख किया।

तकनीकी जांच में जुटी साइबर सेल

साइबर सेल के डीएसपी ने शिकायत मिलने की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। बैंक ट्रांजैक्शन, डिजिटल पेमेंट रिकॉर्ड और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच की जा रही है। अधिकारी ने कहा कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि ठगी डेटा लीक, पेमेंट क्रेडेंशियल्स से छेड़छाड़, ऑनलाइन भुगतान प्रक्रिया की किसी कमी या किसी अन्य साइबर तरीके से हुई है। जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा।

चंडीगढ़ पुलिस में तीन सब-इंस्पेक्टर बने इंस्पेक्टर, डीजीपी डॉ. सागर प्रीत हुड्डा ने जारी किए पदोन्नति आदेश

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/22 जुलाई। चंडीगढ़ पुलिस में प्रशासनिक स्तर पर बड़ा बदलाव करते हुए तीन सब-इंस्पेक्टरों को इंस्पेक्टर (एग्जीक्यूटिव) के पद पर पदोन्नत किया गया है।

यूटी के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) डॉ. सागर प्रीत हुड्डा द्वारा जारी पदोन्नति आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं। पदोन्नति पाने वाले अधिकारियों में एसआई मोहित सिंह, एसआई प्रमोद कुमार और एसआई कुलदीप सिंह शामिल हैं। आदेश के अनुसार तीनों अधिकारी फिलहाल अपनी वर्तमान तैनाती पर ही कार्य करते रहेंगे। पदोन्नति के साथ उन्हें इंस्पेक्टर का रैंक और उससे संबंधित सेवा लाभ प्राप्त होंगे। पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह पदोन्नति संबंधित न्यायालयों में लंबित मामलों के अंतिम निर्णय तथा चंडीगढ़ प्रशासन की पदोन्नति में आरक्षण नीति से जुड़े फैसलों के अधीन रहेगी। यदि भविष्य में न्यायिक या प्रशासनिक आदेशों के अनुसार आवश्यकता हुई तो संबंधित अधिकारियों को बिना पूर्व सूचना उनके मूल पद पर वापस भी भेजा जा सकता है।

4 साल की बच्ची से दुष्कर्म की कोशिश में आरोपी को 10 साल जेल, 55 हजार जुर्माना

जुर्माना नहीं भरा तो 6 महीने और काटनी होगी जेल

मोहाली/यूटर्न/22 जुलाई। नवंबर 2025 में 4 साल की मासूम बच्ची को किडनैप करके दुष्कर्म की कोशिश करने वाले बिहार के आरोपी को कोर्ट ने 10 साल जेल और 55 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई है। एडिशनल डिस्ट्रिक्ट सेशंस जज विक्रांत कुमार की कोर्ट ने अख्तर हुसैन उर्फ लालू मियां को दोषी ठहराते हुए यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने आरोपी को पोक्सो एक्ट के सेक्शन-18 के तहत 10 साल जेल और 50 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई, जबकि सेक्शन 137(2) के तहत 4 साल जेल और 5 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई। जुमार्ना न भरने पर आरोपी को 6 महीने और जेल काटनी होगी। सरकार की तरफ से डिप्टी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी हरदीप सिंह रूमाना ने केस चलाया।

कोर्ट में फाइल की गई चार्जशीट के मुताबिक, गांव के पूर्व सरपंच राजिंदर सिंह ने पुलिस को दिए बयानों में बताया था कि बिहार का रहने वाला परिवार उनके खेतों में लगे ट्यूबवेल पर रहता था। घटना वाले दिन बच्ची की मां घबराई हुई उनके पास आई और बताया कि पिछले 15 मिनट से उसकी 4 साल की बच्ची का कोई पता नहीं है। बच्ची के माता-पिता सहित दूसरे लोग उसे ढूंढने लगे। इसी बीच पास की झाड़ियों से बच्ची के रोने की आवाज आई। लोग झाड़ियों में घुसे तो देखा कि वह व्यक्ति बच्ची के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश कर रहा था। लोगों को देखकर आरोपी भागने लगा लेकिन मौके पर ही पकड़ लिया गया। पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम अख्तर हुसैन उर्फ लालू मियां बताया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह उसी दिन गांव के तालाब में बन रहे पार्क में मजदूरी करने आया था। जब वह बाथरूम करने के लिए ट्यूबवेल पर गया तो उसने बच्ची को अकेला देखा। इसके बाद वह लडकी को उठाकर बुरी नीयत से झाड़ियों में ले गया। पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज किया।

40 हजार रुपये के विवाद में दोस्त की सिर काटकर हत्या, दोषी को उम्रकैद

मोहाली/यूटर्न/22 जुलाई। बकरी के कारोबार में 40 हजार रुपये के लेनदेन के विवाद में दोस्त की सिर काटकर हत्या करने वाले दोषी को स्थानीय अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर एक लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। साथ ही पीड़ित की पत्नी को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) के माध्यम से मुआवजा दिए जाने की सिफारिश की है। मामले में सबूतों के अभाव में दो सह-आरोपियों को बरी कर दिया गया। एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज विक्रांत कुमार की अदालत ने जागीर सिंह उर्फ घोला को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि मृतक सुच्चा सिंह की पत्नी सुनीता देवी को डीएलएसए, मोहाली के माध्यम से मुआवजा दिया जाए। अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे डिप्टी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी हरदीप सिंह रोमाना ने बताया कि अदालत ने 17 जुलाई को आरोपी को दोषी करार दिया था। सजा पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने उसे उम्रकैद और एक लाख रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई। वहीं, सह-आरोपी सतनाम सिंह उर्फ सनी और देशराज उर्फ देसा के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने पर उन्हें बरी कर दिया गया। अभियोजन के अनुसार 12 जून 2021 को जागीर सिंह और सुच्चा सिंह सिसवां में बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान बकरियों की खरीद-फरोख्त से जुड़े 40 हजार रुपये के विवाद को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर जागीर सिंह ने तलवार से हमला कर सुच्चा सिंह का सिर धड़ से अलग कर दिया। हत्या के बाद आरोपी ने पहचान छिपाने के उद्देश्य से बिना सिर वाले शव को सिसवां में तत्कालीन मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के हाई-सिक्योरिटी फार्महाउस के पास दफना दिया, जबकि कटे हुए सिर को दूसरी जगह फेंक दिया।

- बकरी के कारोबार को लेकर हुआ था झगडा
- सिसवां में तत्कालीन मुख्यमंत्री के फार्महाउस के पास दफनाया था शव -अदालत ने एक लाख रुपये जुर्माना भी लगाया

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 12 'मुझे घसीटते हुए पुलिस फुसफुसाई-'सरकार...

चंडीगढ़ में किसानों का भाजपा कार्यालय घेराव का प्रयास, पुलिस ने बैरिकेड लगाकर रोका; मांग पत्र लेने पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

चंडीगढ़/यूटर्न/22 जुलाई। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी समेत विभिन्न मांगों को लेकर बुधवार को चंडीगढ़ में किसानों ने जोरदार प्रदर्शन किया। विभिन्न किसान संगठनों के आह्वान पर बड़ी संख्या में किसान सेक्टर-35 स्थित किसान भवन में एकत्र हुए और वहां से रैली निकालकर सेक्टर-33 स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय ह्यकमलमह्न का घेराव करने के लिए कूच किया। हालांकि, पहले से तैनात पुलिस ने किसान भवन के बाहर ही बैरिकेड लगाकर किसानों को रोक लिया।

बैरिकेड पार करने की कोशिश के दौरान किसानों और पुलिस के बीच कुछ देर धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया था। स्थिति तनावपूर्ण जरूर रही, लेकिन किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के चंडीगढ़ अध्यक्ष कुलदीप सिंह कुड्डू ने कहा कि यह देशभर में आयोजित विरोध कार्यक्रम का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि किसान एमएसपी की कानूनी गारंटी, किसानों की संपूर्ण कर्जमाफी, फसल बीमा योजना में व्यापक सुधार, प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान का उचित मुआवजा तथा आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज मुकदमों को वापस लेने जैसी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा स्वयं किसानों के बीच पहुंचे और उनका मांग पत्र स्वीकार किया। उन्होंने किसानों की मांगों को संबंधित स्तर तक पहुंचाने का भरोसा दिया। इसके बाद किसान शांतिपूर्वक वापस लौट गए। पूरे घटनाक्रम के दौरान पुलिस प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए रहा और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई।

मोबाइल एडिक्शन का बच्चे ही नहीं बडे भी हो रहे हैं शिकार दिनचर्या होने लगी खराब अस्पतालों में बढ़ने लगे मरीज

अशोक सहगल

लुधियाना, यूटर्न 22 जुलाई। जब से स्मार्टफोन आया है तब से युवाओं को लगने लगा कि यह वक्त काटने का बहुत बढ़िया साधन है इसके अलावा इससे कई काम सुधारे जा सकते हैं परंतु इसके बाद सोशल मीडिया, फेसबुक, इंस्टाग्राम और गेमिंग एप से लोगों का लगाव इस कदर बढ़ा कि उनके दिनचर्या के काम छूटने लगे बच्चों की पढ़ाई खराब होने लगी शारीरिक श्रम और खेलों से दूर होकर वह कमरे में बंद हो गए मोबाइल स्क्रीन पर बढ़ते टाइम से रातों की नींद खराब होने लगी जिससे दिमागी असंतुलन के मामले सामने आने लगे।

सोशल मीडिया की लगने लगी लत... विशेषज्ञों के अनुसार लोगों को व्हाट्स एप और सोशल मीडिया की लत लग गई। इससे डिप्रेशन, तनाव, उदासी के साथ काम में रुकावट, परीक्षा में ग्रेड पहले से नीचे आना, काम में निर्धारित टारगेट पूरे न होना आदि के मामले सामने आने लगे।

बच्चे ही नहीं बड़े भी होने लगे मोबाइल एप्स का शिकार... दयानन्द मैडीकल कालेज के मनोचिकित्सा विभाग के पूर्व वरिष्ठ मनोचिकित्सा अधिकारी डा. रुपेश चौधरी ने बताया कि हर सप्ताह उनके पास ओ.पी.डी. में 15-20 मरीज ऐसे आ रहे हैं, जिनकी बीमारी की वजह मोबाइल एप्स का अत्यधिक इस्तेमाल करना है। लोग काम पर ध्यान केन्द्रित नहीं कर रहे। मां-बाप बच्चों के परीक्षा में कम अंक आने पर चिंतित हैं। मोबाइल ने हर व्यक्ति की दिनचर्या में घुसपैठ कर ली है और व्यावहारिक नशा बनकर सामने आया है। आज इसका शिकार, स्टूडेंट्स, व्यवसायी, नौकरीपेशा तथा घरेलू महिलाएं हुई हैं। मोबाइल का अत्यधिक इस्तेमाल एक नई बीमारी बनकर उभर रहा है।

सही इस्तेमाल करें... डा. रुपेश चौधरी ने कहा कि व्हाट्स एप का सही इस्तेमाल करें तो सर्विस से कई लाभ हो सकते हैं परन्तु बिना वजह हर 10 मिनट के बाद मोबाइल देखना एक आदत बनती जा रही है। अगर आप किसी को थोड़ी देर के लिए मोबाइल देखने से मना करते हैं तो वह बेचैन हो जाता है, उसकी बढ़ी परेशानी चेहरे पर साफ दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि मोबाइल का इस्तेमाल जानकारी बढ़ाने, स्टूडेंट्स द्वारा आपस में नोट्स शेयर करने आदि कामों में हो सकता है पर लोगों की हालत नशेड़ियों जैसी हो गई है। रात को सोते समय फोन सिरहाने रखकर सोना और बाथरूम में फोन साथ लेकर जाना लोगों की आदत में शुमार हो गया है।

12 किलो गांजे के साथ उत्तर प्रदेश का युवक गिरफ्तार

लालडू/यूटर्न/22 जुलाई। हंडेसरा थाना पुलिस ने गश्त और चेकिंग के दौरान उत्तर प्रदेश निवासी एक युवक को 12 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच अधिकारी एएसआई हरगोबिंद सिंह ने बताया कि पुलिस टीम गांव नगला के पास गश्त करते हुए संदिग्ध व्यक्तियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक युवक हाथ में बैग लेकर पैदल आता दिखाई दिया। पुलिस टीम को देखकर वह घबरा गया और वापस मुड़ने लगा।

भाजयुमो ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला की नई कार्यकारिणी घोषित की, कुलविंदर यादव बने जिला उपाध्यक्ष

चंडीगढ़/यूटर्न/22 जुलाई। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) चंडीगढ़ ने संगठनात्मक विस्तार के तहत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। जिला अध्यक्ष सौरव त्रिपाठी ने प्रदेश अध्यक्ष अभय झा से परामर्श और भाजपा जिला अध्यक्ष रविंदर मलिक की सहमति के बाद नई टीम का ऐलान किया। सौरव त्रिपाठी ने कहा कि नई कार्यकारिणी का गठन संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, युवा नेतृत्व को बढ़ावा देने और अधिक से अधिक युवाओं को भारतीय जनता युवा मोर्चा से जोड़ने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन की विचारधारा और जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने तथा समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। नई कार्यकारिणी में कुलविंदर यादव (रामदरबार) सहित प्रिंस (सेक्टर-32), दीपक (सेक्टर-47) और प्रियांशु (हल्लोमाजरा) को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं प्रिंस (सेक्टर-45) और शुभम (रामदरबार) को जिला महासचिव बनाया गया है। दीपक (रामदरबार) और दीपक (सेक्टर-45) को जिला सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा गौरव (रामदरबार) को जिला कोषाध्यक्ष तथा मनन राणा (रामदरबार) को जिला विधिक प्रकोष्ठ का संयोजक नियुक्त किया गया है। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा युवाओं को भाजपा की नीतियों से जोड़ने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। वहीं, पार्टी नेतृत्व ने विश्वास जताया कि नई कार्यकारिणी संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और युवाओं के बीच पार्टी की पहुंच मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पेपर लीक और छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस का कैंडल मार्च

चंडीगढ़/यूटर्न/22 जुलाई। दिल्ली के जंतर-मंतर पर पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के खिलाफ बुधवार को चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस, युवा कांग्रेस और एनएसयूआई ने सेक्टर-17 प्लाजा में कैंडल मार्च निकालकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। मार्च का नेतृत्व चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एच.एस. लक्की ने किया, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, छात्र और आम नागरिक शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में मोमबत्तियां लेकर पेपर लीक से प्रभावित छात्रों के प्रति एकजुटता जताई और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान एच.एस. लक्की ने आरोप लगाया कि लगातार हो रहे पेपर लीक से करोड़ों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है और जब छात्र शांतिपूर्ण तरीके से न्याय मांगते हैं तो उनके साथ बल प्रयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की मांग है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दें, जंतर-मंतर पर छात्रों पर कार्रवाई के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं तथा प्रदर्शनकारी छात्रों पर दर्ज सभी मुकदमे वापस लिए जाएं।

सावन माह में श्री बालाजी दरबार में सजी भव्य संध्या चौकी, जयकारों से गूंजा मंदिर परिसर

संकीर्तन से मजबूत होती है सनातन संस्कृति की नींव : अमन ऋषि जैन / अनुज मदान

लुधियाना/यूटर्न/22 जुलाई। सिद्ध पीठ महाबली संकटमोचन श्री हनुमान मंदिर, जोशी नगर धाम, शंकराचार्य नगर में साप्ताहिक संध्या चौकी का भव्य एवं दिव्य आयोजन मंदिर प्रधान अमन जैन, चेयरमैन ऋषि जैन एवं उपप्रधान अनुज मदान की अध्यक्षता में श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दिव्य सिद्ध दरबार में विराजमान श्री बालाजी महाराज के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।संध्या चौकी के दौरान प्रसिद्ध भजन गायक ने अपनी मधुर एवं भक्तिमय वाणी से श्री बालाजी महाराज की महिमा का गुणगान करते हुए एक से बढ़कर एक मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों पर श्रद्धालु पूरे समय भक्ति रस में सराबोर होकर जयकारे लगाते रहे और पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा।

कार्यक्रम के दौरान श्री सालासर धाम एवं श्री मेहंदीपुर बालाजी धाम के पावन छिटे श्रद्धालुओं पर किए गए तथा श्री बालाजी महाराज के समक्ष पवित्र ध्वज फहराकर विश्व शांति, सुख-समृद्धि, सनातन धर्म की उन्नति एवं समस्त मानव कल्याण की मंगलकामना की गई। अंत में सामूहिक श्री हनुमान चालीसा के पाठ के साथ संध्या चौकी का विधिवत समापन हुआ तथा उपस्थित श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रधान अमन जैन, चेयरमैन ऋषि जैन, उपप्रधान अनुज मदान, सौरव जैन, सोमनाथ मड़कन, ज्योति गुप्ता, संजय गुप्ता, अरविंद टिल्लू, नरिंदर नथानी, राहुल हांडा, संदीप पब्बी, सतीश डंग, रोहित डंग, पुनीत शर्मा, संदीप धमीजा, भारती सोनी, वेद लूथरा, अनिल जैन, गीतांश गांधी, देवांश जैन, अश्वनी मग्गू, सन्नी सतीजा, प्रतीक सोहर, विवेक शर्मा, मनीष अरोड़ा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।प्रधान अमन जैन, चेयरमैन ऋषि जैन एवं उपप्रधान अनुज मदान ने संयुक्त रूप से कहा कि सावन का पावन माह भगवान शिव एवं श्री बालाजी महाराज की आराधना, भजन-कीर्तन और सेवा का सर्वोत्तम समय है। इस पवित्र माह में होने वाला संकीर्तन केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को प्रेम, एकता, संस्कार और सनातन संस्कृति से जोड़ने का सशक्त माध्यम है।उन्होंने कहा कि जहां भगवान का नाम-संकीर्तन होता है, वहां सकारात्मक ऊर्जा, सुख-शांति और समृद्धि का वास होता है। प्रत्येक सनातनी को अपने परिवार सहित धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियों में भी सनातन संस्कृति एवं भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं के प्रति आस्था बनी रहे।

दो युवकों ने दोस्ती का झांसा देकर कार में युवक को पीटा

जीरकपुर/यूटर्न/22 जुलाई। गाजीपुर रोड स्थित जॉइनेस्ट सोसाइटी के पास दो अज्ञात युवकों ने हिमाचल प्रदेश निवासी एक युवक से बातचीत कर पहले दोस्ती का दिखावा किया और फिर कार के अंदर ही उस पर हमला कर दिया। आरोपितों ने ईंट से उसके सिर और चेहरे पर कई वार किए तथा कार लेकर फरार हो गए। अगले दिन कार गोल्डन एरा सोसाइटी के पास लावारिस हालत में बरामद हुई।

पुलिस को दी शिकायत में हिमाचल प्रदेश निवासी 34 वर्षीय अंकुश कंवर, हाल निवासी जॉइनेस्ट सोसाइटी, गाजीपुर रोड ने बताया कि 20 जुलाई की सुबह करीब साढ़े 10 बजे वह अपनी सफेद महिंद्रा एक्सयूवी-300 में सोसाइटी के गेट के पास नाले के पुल के निकट बैठा था। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर दो युवक वहां पहुंचे और हिमाचल प्रदेश के संबंध में बातचीत करने लगे। बातचीत के दौरान एक युवक सिगरेट लेने चला गया, जबकि दूसरा कार की अगली सीट पर बैठ गया।

रूह से रूबरू

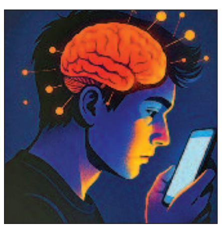

चारू नागपाल

क्या इंटरनेट के एल्गोरिद्म ने देश को दो हिस्सों में बाँट दिया है?

इंटरनेट और सोशल मीडिया के एल्गोरिद्म आज लोगों तक वही सामग्री अधिक पहुँचाते हैं, जिससे उनकी रुचि और भावनाएँ सबसे अधिक प्रभावित हों। नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के मुद्दे पर भी यही स्थिति देखने को मिल रही है।

एल्गोरिद्म अलग-अलग विचारों वाले लोगों को अलग-अलग प्रकार की पोस्ट और वीडियो दिखाते हैं, जिससे छात्रों, अभिभावकों और समाज के बीच मतभेद बढ़ गए हैं। परिणामस्वरूप, परीक्षा व्यवस्था पर स्वस्थ चर्चा होने के बजाय बहस कई बार आरोप-प्रत्यारोप और ध्रुवीकरण का रूप ले रही है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी परिस्थितियों का लाभ विदेशी दुष्प्रचार अभियान भी उठाने की कोशिश कर रहे हैं। वे सोशल मीडिया पर भ्रामक या भड़काऊ सामग्री फैलाकर समाज में अविश्वास और भ्रम बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, हर विवाद या मतभेद के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ होना आवश्यक नहीं होता, इसलिए किसी भी दावे को बिना प्रमाण स्वीकार नहीं करना चाहिए लेकिन इस मामले में कुछ कुछ ऐसा ही होता दिखाई दे रहा है। समाज और छात्रों की जिम्मेदारी है कि वे सोशल मीडिया पर मिलने वाली हर जानकारी की तथ्य-जांच करें, विश्वसनीय स्रोतों पर भरोसा करें और अफवाहों से बचें। सरकार, डिजिटल प्लेटफॉर्म और नागरिकों को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना चाहिए जहाँ संवाद तथ्यों के आधार पर हो, न कि एल्गोरिद्म द्वारा बढ़ाए गए भावनात्मक या भ्रामक कंटेंट के आधार पर। तभी देश की एकता और लोकतांत्रिक संवाद मजबूत रह सकेगा।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

क्या Police आपका Mobile Phone चेक कर सकती है?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

आज के समय में मोबाइल फोन में हमारी निजी जानकारी, फोटो, बैंकिंग ऐप, WhatsApp Chats और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज होते हैं। ऐसे में अक्सर यह सवाल पूछा जाता है कि क्या पुलिस किसी का Mobile Phone चेक कर सकती है?

उत्तर है—परिस्थितियों पर निर्भर करता है।

यदि किसी अपराध की जांच चल रही है और मोबाइल फोन उस जांच से जुड़ा महत्वपूर्ण साक्ष्य (Evidence) हो सकता है, तो पुलिस कानून के अनुसार उसे जांच के लिए अपने कब्जे में ले सकती है।

लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि किसी भी व्यक्ति का मोबाइल बिना कारण या केवल संदेह के आधार पर कभी भी चेक किया जा सकता है। यदि आपका मोबाइल किसी जांच का हिस्सा बनाया जाता है, तो उसकी जांच भी कानूनी प्रक्रिया के अनुसार की जाती है। कई मामलों में Digital Evidence की जांच विशेषज्ञों द्वारा की जाती है। यदि कोई व्यक्ति पुलिस अधिकारी होने का दावा करके बिना पहचान बताए या बिना किसी वैध कारण के आपका मोबाइल मांगता है, तो पहले उसकी पहचान और कार्रवाई का आधार जानना उचित है।

कई लोग डर के कारण बिना कुछ पूछे अपना मोबाइल सौंप देते हैं, जबकि प्रत्येक कार्रवाई कानून के दायरे में ही होनी चाहिए।

निष्कर्ष: पुलिस जांच के दौरान कानूनी प्रक्रिया के अनुसार Mobile Phone की जांच कर सकती है। लेकिन हर स्थिति में बिना कारण या बिना कानून का पालन किए किसी का मोबाइल चेक नहीं किया जा सकता।

प्रीमियर एजेंसीज में रक्तदान शिविर, 44 लोगों ने किया रक्तदान

शिविर का शुभारंभ मैनेजिंग डायरेक्टर निर्मल खोसला, विमल खोसला और बबी खोसला ने किया।

चंडीगढ़/यूटर्न/22 जुलाई। अस्पतालों में रक्त की कमी को दूर करने के उद्देश्य से सेक्टर-7 स्थित प्रीमियर एजेंसीज में बुधवार को रक्तदान जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर विमल खोसला के जन्मदिवस के अवसर पर श्री शिव कांवड़ महासंघ चैरिटेबल ट्रस्ट, पंचकूला, निफा चंडीगढ़ और रोटरी क्लब चंडीगढ़ सेंट्रल के सहयोग से आयोजित किया गया। यह संस्था का दसवां रक्तदान जागरूकता शिविर था।

सफाई सेवक यूनियन का बड़ा ऐलान

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/22/जुलाई। बरनाला में सफाई सेवकों पर हुए कथित पुलिस लाठीचार्ज और जिला प्रधान समेत अन्य स्थानीय नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में पंजाब भर के सफाई सेवकों और नगरपालिका कर्मियों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। सफाई सेवक यूनियन पंजाब के आह्वान पर यूनियन के अध्यक्ष अरुण गिल ने कड़ा रुख अपनाते हुए बड़े आंदोलन का ऐलान किया है।

किसानों ने लुधियाना के तीन टोल प्लाजा करवाए फ्री, इंटरनेट बंद करवा फास्टैग रोका

लुधियाना/यूटर्न/22 जुलाई। लुधियाना में भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों ने बुधवार को तीन टोल प्लाजा को फ्री कर दिया। इस दौरान टोल प्लाजा पर इंटरनेट सेवा बंद करवा दी गई है और वहां से गुजरने वाले लोगों के नंबर भी लिए गए। किसानों का कहना है कि यदि किसी वाहन ड्राइवर के पास बाद में टोल टैक्स कटने का मैसेज आता है तो उसे बंद करवाने की कार्रवाई की जाएगी। जिले के लाडोवाल, गुल्लाल और चौकीमान टोल प्लाजा दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक टोल फ्री रखे गए। इस दौरान इन टोल प्लाजा से गुजरने वाले सभी छोटे-बड़े वाहन बिना टोल शुल्क दिए आवागमन कर सकेंगे। किसान संगठनों के नेताओं ने बताया कि यह प्रदर्शन केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में किया जा रहा है। उनका आरोप है कि सरकार कॉरपोरेट हितों को प्राथमिकता देते हुए किसान, मजदूर और कर्मचारी विरोधी नीतियां लागू कर रही है।

अग्रवाल वेलफेयर बोर्ड हलका नॉर्थ चेयरमैन ने विधायक बग्गा का जताया आभार

लुधियाना/यूटर्न/22 जुलाई। पंजाब सरकार के अग्रवाल वेलफेयर बोर्ड के हलका नॉर्थ चेयरमैन जुगल किशोर गोयल ने अपनी नियुक्ति के लिए हलका नॉर्थ के विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विधायक बग्गा द्वारा उन पर जताया गया विश्वास उनके लिए सम्मान की बात है। वह बोर्ड की जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करते हुए समाज के कल्याण एवं जनसेवा के लिए निरंतर कार्य करेंगे। इस अवसर पर विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा ने कहा कि पंजाब सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इस मौके पर एडवोकेट गौरव बग्गा खुराना, सौरव गोयल, साहिल गोयल, राजेश गोयल, अंकित अग्रवाल, नवीन गर्ग, योगेश गर्ग, गोबिंद कालरा और अमनदीप उप्पल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

आईएनएसडी लुधियाना में फैशन शो के जरिए विद्यार्थियों ने दिखाई रचनात्मकता

लुधियाना/यूटर्न/22 जुलाई। इंटरनेशनल स्कूल ऑफ डिजाइन (आईएनएसडी), दुगरी में औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत विशेष फैशन शो एवं स्टूडेंट शोकेस का आयोजन किया गया। इसमें लुधियाना, मोगा, जालंधर, चंडीगढ़ सहित पंजाब के विभिन्न शहरों से आए विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनकी रचनात्मकता, डिजाइनिंग कौशल और प्रशिक्षण के दौरान तैयार किए गए परिधानों को वास्तविक मंच प्रदान करना था। विद्यार्थियों ने नाइट सूट, को-ऑर्ड सेट्स और एक विशेष शोस्टॉपर ड्रेस डिजाइन कर रैंप पर प्रस्तुत की। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि रैंप पर केवल कपड़े नहीं, बल्कि एक डिजाइनर की सोच, मेहनत और रचनात्मक यात्रा भी दिखाई देती है। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को डिजाइनिंग से लेकर गारमेंट निर्माण तक की पूरी प्रक्रिया का व्यावहारिक अनुभव दिया गया। आईएनएसडी लुधियाना की डायरेक्टर चीना मारवाहा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, व्यावहारिक अनुभव और इंडस्ट्री के लिए तैयार होने का अवसर प्रदान करते हैं।

ट्रेन से उतरते समय युवक का पैर फिसला, दोनों टांगे कटी

लुधियाना/यूटर्न/22 जुलाई। बुधवार को लुधियाना रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरते समय एक युवक का पैर फिसल गया। जिस कारण वे नीचे गिर गया और ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में युवक के दोनों पैर कट गए। जख्मी युवक को गंभीर हालत में लुधियाना के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। पीड़ित की पहचान सुनाम निवासी सुखविंदर सिंह (35) के रूप में हुई है। थाना जीआरपी पुलिस ने घटना की जानकारी उसके परिवार को दे दी है। जानकारी के अनुसार सुखविंदर सिंह वेल्डिंग का काम करता है और नूरमहल में माथा टेकने जा रहा था। वह ट्रेन में सवार था और उसे लुधियाना रेलवे स्टेशन पर उतरना था। जब ट्रेन प्लेटफॉर्म पर पहुंची तो उसकी रफ्तार धीमी थी। इसी दौरान सुखविंदर ने चलती ट्रेन से उतरने का प्रयास किया, लेकिन संतुलन बिगड़ने के कारण वह हादसे का शिकार हो गया। पैर फिसलने के बाद वह प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच ट्रैक पर जा गिरा। इसी बीच ट्रेन के पहियों की चपेट में आने से उसके दोनों पैर गंभीर रूप से कट गए।

DMC अस्पताल में क्लीनर ने सर्जरी यूनिट से चुराया ड्रेसिंग का सामान, मामला दर्ज

लुधियाना/यूटर्न/22 जुलाई। सिविल लाइन डीएमसी अस्पताल के सर्जरी रूम से अस्पताल के ही क्लीनर द्वारा ड्रेसिंग का सामान चोरी कर लिया गया। अस्पताल स्टॉफ द्वारा जब जांच की गई तो वारदात का पता चला। जिसके बाद पुलिस को शिकायत दी गई। थाना डिवीजन नंबर आठ की पुलिस ने अस्पताल के सिक्योरिटी इंचार्ज संजीव कुमार की शिकायत पर हैबोवाल कलां के रहने वाले निखिल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह डीएमसी अस्पतल में चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर है। जबकि उक्त आरोपी सर्जरी यूनिट-4 में क्लीनर कम हेल्पर है। 16 जुलाई को अस्पताल की सर्जरी यूनिट-4 में चोरी की घटना सामने आई थी। जांच में पता चला कि अस्पताल के ही एक कर्मचारी ने वहां से कीमती ड्रेसिंग सामग्री चोरी कर ली। इसके बाद प्रबंधन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

पार्षद बग्गा ने वार्ड 94 के सभी एंट्री गेट पर लगवाई फैंसी लाइटें

लुधियाना/यूटर्न/22 जुलाई। विधानसभा उत्तरी के वार्ड 94 को फैंसी लाइटों से सजाया गया है। विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा के मार्गदर्शन में वार्ड के सभी एंट्री प्वाइंट्स पर आकर्षक फैंसी लाइटें लगाई गई हैं, जिससे इलाके की खूबसूरती बढ़ गई है। बुधवार को फैंसी लाइटों का शुभारंभ करने के बाद पार्षद अमन बग्गा ने बताया कि इन लाइटों से रात के समय वार्ड की रौनक बढ़ेगी और लोगों को आने-जाने में भी सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि विधायक मदन लाल बग्गा के नेतृत्व में वार्ड में विकास के नए आयाम जुड़ रहे हैं।

पार्षद अमन बग्गा ने कहा कि पिछले चार वर्षों में आप सरकार के कार्यकाल में विधानसभा उत्तरी में जितना विकास हुआ है, उतना पिछली सरकारों ने 40 वर्षों में नहीं किया। उन्होंने बताया कि सड़कें, गलियां, पार्क और स्ट्रीट लाइटों के बाद अब एंट्री प्वाइंट्स पर फैंसी लाइटें लगाकर वार्ड को मॉडल वार्ड बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

पार्षद अमन बग्गा ने आगे कहा कि आने वाले समय में सफाई, सीवरेज और पार्कों के सौंदर्यीकरण के और काम भी करवाए जाएंगे ताकि वार्ड 94 विकास की मिसाल बने। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और आप कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीजीआई में अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग लीडरशिप एवं मैनेजमेंट कार्यक्रम का शुभारंभ

चंडीगढ़/यूटर्न/22 जुलाई। पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च में बुधवार को 10 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग लीडरशिप एवं मैनेजमेंट कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कम्युनिटी मेडिसिन एवं स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ विभाग द्वारा इंटरनेशनल पब्लिक हेल्थ मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम को भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की इंडियन टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन योजना का सहयोग प्राप्त है। इस अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में 19 देशों के 48 वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी भाग ले रहे हैं। इनमें बांग्लादेश, भूटान, कंबोडिया,

इथियोपिया, इस्वातिनी, घाना, इंडोनेशिया, केन्या, लाइबेरिया, मलावी, मालदीव, नेपाल, ओमान, फिलिस्तीन, पैराग्वे, सिएरा लियोन, श्रीलंका, तंजानिया और जिम्बाब्वे के प्रतिनिधि शामिल हैं। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के निदेशक प्रो. सोनू गोयल, IPHMDP एवं प्रोफेसर, कम्युनिटी मेडिसिन एवं स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, उन्होंने कहा कि आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने में नर्सिंग नेतृत्व की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों का प्रभावी समाधान नेतृत्व क्षमता, नवाचार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से ही संभव है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण को अनुभव साझा करने, पेशेवर नेटवर्क विकसित करने और एक-दूसरे से सीखने का अवसर बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. कृतिका उपाध्याय ने कहा कि यह पहल क्षमता निर्माण और ज्ञान के आदान-प्रदान के माध्यम से वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना के अनुरूप भारत अपने सफल और प्रमाण-आधारित स्वास्थ्य मॉडल विकासशील देशों के साथ साझा कर रहा है, ताकि विभिन्न देशों की स्वास्थ्य प्रणालियों को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

कॉकरोच जनता पार्टी ने सरकार को दी मात; इंटरनेट बंद पर सीजेपी के मैसेज चालू

चंडीगढ़/यूटर्न/22 जुलाई। भले ही मोबाइल इंटरनेट, वाई-फाई और सेलुलर नेटवर्क बंद हो जाएं, स्मार्टफोन यूजर अभी भी नई जेनरेशन के ऑफलाइन मैसेजिंग एप्लिकेशन का इस्तेमाल करके मैसेज का आदान-प्रदान कर सकते हैं जो पारंपरिक इंटरनेट इंफ्रास्ट्रक्चर के बजाय ब्लूटूथ मेश नेटवर्किंग पर निर्भर हैं। यह टेक्नोलॉजी हाल ही में तब चर्चा में आई जब ऐसी खबरें आई कि दिल्ली में प्रदर्शनकारी इंटरनेट पाबंदियों के दौरान कनेक्टेड रहने के लिए ऐसे ऐप का इस्तेमाल कर रहे थे। व्हाट्सएप या सिग्नल के विपरीत, इन एप्लिकेशन को मोबाइल नेटवर्क या इंटरनेट कनेक्शन की जरूरत नहीं होती है। इसके बजाय, वे एक मेश नेटवर्क बनाते हैं, जिससे आस-पास के स्मार्टफोन ब्लूटूथ का इस्तेमाल करके सीधे बातचीत कर सकते हैं। मैसेज एक फोन से दूसरे फोन पर तब तक जाते हैं जब

तक वे पाने वाले तक नहीं पहुंच जाते, अगर काफी यूजर मौजूद हों तो यह कम्युनिकेशन को नॉर्मल ब्लूटूथ रेंज से कहीं आगे तक ले जाता है।

यह टेक्नोलॉजी सबसे अच्छा तब काम करती है जब एक ही ऐप वाले कई यूजर एक ही जगह पर इकट्ठा होते हैं, जैसे कि विरोध स्थल, म्यूजिक फेस्टिवल, स्टेडियम या डिजास्टर जोन। जैसे-जैसे और डिवाइस नेटवर्क से जुड़ते हैं, कम्युनिकेशन रेंज बढ़ती जाती है क्योंकि हर फोन मैसेज के लिए एक रिले का काम करता है। एंड्रॉइड और डरपर कई ऐप यह सुविधा देते हैं। कुछ, जैसे कि बिटचैट, सेंट्रल सर्वर, यूजर अकाउंट या फोन-नंबर रजिस्ट्रेशन से बचकर प्राइवेसी पर भी जोर देते हैं। क्योंकि मैसेज सीधे आस-पास के डिवाइस के बीच रूट होते हैं, इसलिए ये ऐप इंटरनेट शटडाउन या खराब नेटवर्क कवरेज वाले इलाकों में भी काम करते रह सकते हैं।

हालांकि, इस टेक्नोलॉजी की अपनी सीमाएं हैं। यूजर को कम से कम एक दूसरे पार्टिसिपेंट की ब्लूटूथ रेंज में होना चाहिए, और लंबी दूरी का कम्युनिकेशन तभी मुमकिन है जब मैसेज भेजने के लिए काफी बीच के डिवाइस हों। कम आबादी वाले इलाकों में, नेटवर्क का असर काफी कम हो जाता है। ब्लूटूथ-बेस्ड मैसेजिंग भी आम इंटरनेट-बेस्ड सर्विस की तुलना में धीमी और कम भरोसेमंद होती है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि ऑफलाइन मेश मैसेजिंग के प्रोटेस्ट के अलावा भी प्रैक्टिकल इस्तेमाल हैं। यह लोगों को प्राकृतिक आपदाओं, बड़े पब्लिक इवेंट, दूर के एक्सपीडिशन या इमरजेंसी के दौरान कम्युनिकेट करने में मदद कर सकता है, जहां आम कम्युनिकेशन नेटवर्क फेल हो गए हों या ओवरलोड हो गए हों।

कॉकरोचों' के प्रदर्शन में आतंकी पन्नू की एंट्री, सीजेपी लीडर्स से जूम मीटिंग का दावा

अमृतसर/यूटर्न/22 जुलाई। दिल्ली में चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की भी एंट्री हो गई है। उसने एक वीडियो जारी कर दावा किया है कि उससे सीजेपी के नेताओं के साथ जूम मीटिंग की है। इसमें आंदोलन को लेकर चर्चा हुई। वीडियो में पन्नू कह रहा है कि आज जूम मीटिंग में सीजेपी और मैंने जो ऐलान किया है, उसे याद रखो। दिल्ली को और मोदी को गिराना है। मोदी की हुकूमत का तख्ता पलट किया जाएगा। यह पक्का हल नहीं है। इसका पक्का

हल भारत का विघटन करना है, भारत को तोड़ना है। आतंकी पन्नू का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है। हालांकि हम इस वीडियो की पुष्टि नहीं करते। इधर, सीजेपी के आंदोलन में निहंग भी शामिल होंगे। ब्लू फोर्स निहंगों की टीम मंगलवार देर शाम 7 बजे जंतर-मंतर पहुंची। उन्हें देखकर प्रदर्शनकारियों में बड़ा उत्साह दिखा। इस दौरान प्रदर्शन में शामिल एक छात्रा ने निहंग को देखकर कहा, हमारे अंदर जो जान आ गई है ना, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। वहीं एक निहंग ने कहा कि आपको जब भी हमारी जरूरत पड़ेगी हम आपके साथ हैं। बहुत बढ़िया है कि आप डटे हुए हो।

अंकुर गुप्ता बने श्री राम लीला दशहरा कमेटी मंडी के अध्यक्ष

सर्वसम्मति से हुआ फैसला, धार्मिक मर्यादा और सामाजिक एकता के साथ पर्व मनाने का लिया संकल्प

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/22/जुलाई। भगवान श्री राम के आदर्शों और सनातन परंपराओं को समर्पित श्री राम लीला दशहरा कमेटी मंडी (रजि.) जगरांव की एक विशेष बैठक पुरानी दाना मंडी स्थित मंदिर में आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य इस वर्ष के दशहरा महाउत्सव को पूरी श्रद्धा, धार्मिक मर्यादा और सामाजिक सौहार्द के साथ संपन्न करना था। बैठक के दौरान कमेटी के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से अंकुर गुप्ता (पुत्र स्वर्गीय आत्मा राम बावा) को कमेटी का नया प्रधान चुन लिया। उनकी नियुक्ति की घोषणा होते ही उपस्थित सदस्यों ने 'जय श्री राम' के जयकारों के साथ उनका भव्य स्वागत किया और उन्हें अपनी पूरी निष्ठा व सहयोग का भरोसा दिलाया।

समाज में भाईचारे का संदेश फैलाना मुख्य उद्देश्य: अंकुर गुप्ता
नया कार्यभार संभालने के बाद नवनिर्वाचित प्रधान अंकुर गुप्ता ने कमेटी के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से इस वर्ष के दशहरा महाउत्सव को ऐतिहासिक और पारंपरिक रूप से भव्य बनाया जाएगा।

- *'दशहरा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि समाज में सत्य, धर्म, भाईचारे और आपसी सद्भाव का संदेश फैलाने का एक सशक्त माध्यम है।'-अंकुर गुप्ता, अध्यक्ष*

कमेटी के अन्य सदस्यों ने भी विश्वास जताया कि प्रभु श्री राम चंद्र जी की असीम कृपा और समस्त क्षेत्रवासियों के सहयोग से इस बार का दशहरा महाउत्सव बेहद उत्साह और भव्यता के साथ मनाया जाएगा।

बैठक में प्रमुख रूप से उपस्थित गणमान्य: इस महत्वपूर्ण अवसर पर कमेटी के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे: सुशील गोयल, विशाल गोयल, एडवोकेट अंकुश धीर, अशोक बंसल, अनमोल गुप्ता (पूर्व पार्षद), तीर्थ सिंगला, सुरेंद्र मित्तल, बलदेव राज संगर, विजय गर्ग, परषोत्तम अग्रवाल, दर्शन सिंगला, रजनीश बंसल अजय गर्ग (बब्बू), पवन तलवार, अमित टीनू, जगदीश अवस्थी अमित बंसल, नरेश कुमार और गौरव जैन।

यूटर्न टाइम

वेस्ट बंगाल टेंडर की दो लाख साइकिलों की वापसी की चर्चा, साइकिल इंडस्ट्री का 500 करोड़ का कारोबार संकट में

कई टेंडरों पर अनिश्चितता, वेंडरों के पास तैयार पड़ा करीब 400 करोड़ रुपये का माल

लुधियाना/यूटर्न/22 जुलाई। देश की साइकिल राजधानी माने जाने वाले लुधियाना समेत पूरे भारतीय साइकिल उद्योग के सामने नया कारोबारी संकट खड़ा होता दिखाई दे रहा है। वर्षों से सरकारी साइकिल टेंडरों पर निर्भर उद्योग अब पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु जैसे बड़े राज्यों में टेंडरों की अनिश्चितता तथा पश्चिम बंगाल में पहले से सप्लाई की गई साइकिलों की संभावित वापसी की चचाओं से चिंतित है। उद्योग जगत का मानना है कि यदि टेंडर की साइकिलें लौटाई जाती हैं तो इसका सीधा असर कारोबार, कार्यशील पूंजी और कैश फ्लो पर पड़ सकता है।

2 लाख साइकिल लौटने की चर्चा से बढ़ी चिंता

- उद्योग जगत में चर्चा है कि पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार पूर्व में सप्लाई की गई करीब दो लाख साइकिलों की समीक्षा कर रही है। सूत्रों के अनुसार, इनमें से बड़ी संख्या ऐसी साइकिलों की बताई जा रही है जो अभी कंपनियों के वेंडरों और वेयरहाउस में फिटिंग प्रक्रिया में थीं तथा उनकी अंतिम बिलिंग नहीं हुई थी। ऐसी स्थिति में संभावना जताई जा रही है कि सरकार बिल हो चुकी साइकिलों का भुगतान कर शेष साइकिलों को वापस करने पर विचार कर सकती है।

करीब 100 करोड़ रुपये का माल फंसने की आशंका

- उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, यदि प्रति साइकिल औसत लागत लगभग 4,900 रुपये मानी जाए तो दो लाख साइकिलों का मूल्य लगभग 100 करोड़ रुपये बैठता है। इतनी बड़ी राशि का स्टॉक फंसने से संबंधित कंपनियों की कार्यशील पूंजी और कैश फ्लो पर गंभीर असर पड़ सकता है।

पहले से तैयार पड़ा है टेंडर का माल

- पिछले 10 से 15 वर्षों से पश्चिम बंगाल में लगातार बड़े सरकारी साइकिल टेंडर जारी होते रहे हैं। इसी अनुभव के आधार पर कंपनियां संभावित ऑर्डरों को ध्यान में रखते हुए समय पर सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए पहले ही अपने वेंडरों के माध्यम से बड़ी मात्रा में माल तैयार करवाती रही हैं। उद्योग जगत में यह भी चर्चा है कि वर्तमान में कंपनियों द्वारा वेंडरों के पास लगभग 400 करोड़ रुपये का टेंडर संबंधी माल तैयार करवाया जा चुका है। उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि यदि इस वर्ष अपेक्षित टेंडर जारी नहीं होते हैं तो यह तैयार माल गोदामों में फंस सकता है, जिससे उत्पादन चक्र और छोटे वेंडरों पर भी दबाव बढ़ेगा।

वापस आई साइकिलों का दोबारा उपयोग आसान नहीं

- उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि यदि इतनी बड़ी संख्या में साइकिलें वापस आती हैं तो उन्हें किसी अन्य सरकारी टेंडर में खपाना आसान नहीं होगा, क्योंकि प्रत्येक राज्य के टेंडरों की तकनीकी स्पेसिफिकेशन अलग-अलग होती हैं।

पुराने टेंडरों की जांच की अटकलें

- उद्योग जगत में यह भी चर्चा है कि पश्चिम बंगाल की नई सरकार पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में हुई सरकारी खरीद की समीक्षा कर सकती है। यदि जांच एजेंसियां सरकारी खरीद में किसी प्रकार की अनियमितता पाती हैं तो बड़े साइकिल टेंडर भी जांच के दायरे में आ सकते हैं। हालांकि, इस संबंध में भी अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

तमिलनाडु के भी एमटीबी साइकिल टेंडर पैटर्न पर !

- उद्योग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि दिल्ली सरकार द्वारा हालिया साइकिल टेंडर में एमटीबी (MTB) श्रेणी की साइकिलों को शामिल किए जाने के बाद बाजार में बदलाव की चर्चा तेज हुई है। इसी बीच यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि तमिलनाडु सरकार भी भविष्य के सरकारी टेंडरों में एमटीबी साइकिलों को प्राथमिकता दे सकती है। यदि ऐसा होता है तो पारंपरिक रोडस्टर साइकिलों पर आधारित टेंडर कारोबार से जुड़ी कंपनियों के सामने नई चुनौती खड़ी हो सकती है। हालांकि, तमिलनाडु सरकार की ओर से इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण (GSTAT) का बड़ा फैसला: तकनीकी दिक्कतों के बीच टैक्सपेयर्स और प्रोफेशनल्स को दी बड़ी राहत; टोकन सिस्टम शुरू

लुधियाना/यूटर्न/22 जुलाई। जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण (GSTAT) ने पुराने मामलों (Past Periods) के लिए अपील दायर करने वाले टैक्सपेयर्स और टैक्स प्रोफेशनल्स को एक बहुत बड़ी राहत दी है। कई दिनों से पोर्टल पर भारी रश और तकनीकी समस्याओं का सामना कर रहे करदाताओं के लिए यह फैसला किसी संजीवनी से कम नहीं है। लुधियाना के जाने-माने एडवोकेट करन चावला ने GSTAT के इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे बेहद व्यावहारिक और मददगार बताया है।

न्यायाधिकरण के माननीय अध्यक्ष (Hon'ble President) के निर्देश पर जारी आदेश संख्या 156/2026 के अनुसार, यदि कोई टैक्सपेयर किसी कारणवश 31 जुलाई 2026 की अंतिम तिथि तक अपनी अपील पूरी तरह से फाइल नहीं कर पाता है, तो वह पोर्टल पर जाकर 'टोकन' (Token) जेनरेट कर सकता है। यह टोकन अपील दायर करने की आपकी मंशा (Intent to file appeal) को दर्ज करेगा और इसे वैधानिक समय सीमा के भीतर का अनुपालन माना जाएगा। टोकन जेनरेट होने के बाद, टैक्सपेयर को वास्तविक अपील प्रक्रिया पूरी करने के लिए 60 दिनों का अतिरिक्त समय मिलेगा।

Advocate Karan Chawla

टोकन व्यवस्था से जुड़ी मुख्य बातें (Key Points)

अंतिम तिथि का रखें ध्यान: यह टोकन हर हाल में 31 जुलाई 2026 या उससे पहले ही जेनरेट किया जाना चाहिए।

हर अपील के लिए अलग टोकन: यदि आपको एक से अधिक अपील फाइल करनी हैं, तो प्रत्येक अपील के लिए अलग से टोकन जेनरेट करना होगा। एक टोकन का उपयोग एक से अधिक मामलों के लिए नहीं किया जा सकता।

60 दिनों की समय सीमा: टोकन जेनरेट होने की तारीख से ठीक 60 दिनों के भीतर अपील का वास्तविक पंजीकरण (Actual Filing) पूरा करना अनिवार्य है। 60 दिन बीत जाने के बाद यह टोकन अमान्य (Lapsed) हो जाएगा।

सटीक विवरण जरूरी: टोकन फॉर्म भरते समय पूरी सावधानी बरतें। यदि अधूरी या गलत जानकारी के साथ टोकन जेनरेट किया जाता है, तो उसे निरस्त (Void/Invalid) माना जा सकता है।

एडवोकेट करन चावला (लुधियाना) का विश्लेषण:

इस पूरे मामले पर लुधियाना के एडवोकेट करन चावला ने बताया

''अंतिम तारीख नजदीक आने पर अक्सर जीएसटी पोर्टल पर लोड बढ़ जाता है, जिससे तकनीकी खराबी (Technical Glitches) के कारण कई टैक्सपेयर्स समय पर अपनी अपील दाखिल नहीं कर पा रहे थे। GSTAT द्वारा पेश की गई यह नई टोकन व्यवस्था टैक्स प्रोफेशनल्स और व्यापारियों दोनों के लिए एक बड़ी राहत है। हालांकि, टैक्सपेयर्स को यह ध्यान रखना चाहिए कि वे आखिरी दिन का इंतजार न करें और यदि कोई तकनीकी समस्या आती है, तो तुरंत अपना टोकन सुरक्षित कर लें।''

टोकन जेनरेट करने की यह सुविधा GSTAT के आधिकारिक ई-फाइलिंग पोर्टल (https://efiling.gstat.gov.in) पर उपलब्ध करा दी गई है. यह उन सभी करदाताओं और कर अधिकारियों के लिए उपलब्ध है जिनके पास वैध GSTIN, अस्थायी आईडी या UIN मौजूद है।

गीली मिट्टी धंसने से स्कूल बस पलटी, 27 बच्चे थे सवार, बाल-बाल बचे

पंजाब/यूटर्न/22 जुलाई। डेरा बाबा नानक जिले के ऐतिहासिक शहर ध्यानपुर के पास संगतुवाल गांव में बुधवार उस समय एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब स्कूली बच्चों को ले जा रही एक बस सड़क किनारे की मिट्टी धंसने के कारण असंतुलित होकर पलट गई। गनीमत यह रही कि इस घटना में बस में सवार सभी 27 बच्चे और बस ड्राइवर पूरी तरह सुरक्षित हैं। जानकारी के मुताबिक बस सड़क से गुजर रही थी कि सामने से आ रहे किसी अन्य वाहन को साइड देने के लिए ड्राइवर ने बस को सड़क के बिल्कुल किनारे कच्चे में थोड़ा सा दबाया। हाल ही में हुई बारिश के कारण सड़क का किनारा काफी गीला और कमजोर था। जैसे ही बस का पहिया किनारे पर गया, गीली मिट्टी तुरंत धंस गई और बस नीचे की ओर झुकते हुए असंतुलित होकर पलट गई।

गीली मिट्टी में धंसी बस: प्रत्यक्षदर्शी

प्रत्यक्षदर्शी मनदीप सिंह ने बताया कि सड़क के साथ मिट्टी की बिल्कुल भी सपोर्ट नहीं है। ड्राइवर ने तो बस साइड देने के लिए गाड़ी को किनारे किया था, लेकिन बारिश के कारण गीली हुई मिट्टी धंस गई और गाड़ी नीचे चली गई। यह तो गुरु रामदास जी की कृपा है कि सभी बच्चे और ड्राइवर पूरी तरह सुरक्षित हैं। स्थानीय लोगों में सड़क की जर्जर स्थिति को लेकर गहरा रोष है। ग्रामीणों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब इस सिंगल रोड पर इस तरह का खतरा बना हो। सड़क के किनारों पर मिट्टी का सही भराव न होने के कारण यहाँ दो गाड़ियों का आपस में क्रॉस होना बेहद मुश्किल और जोखिम भरा हो जाता है।

चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर पीएम विश्वकर्मा कारीगरों को मिला नया मंच, OAOP/AVSAR स्टॉल शुरू

स्थानीय हस्तशिल्प और पारंपरिक उत्पादों को मिलेगा बाजार, यात्रियों के लिए खरीदारी की सुविधा

चंडीगढ़/यूटर्न/22 जुलाई। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों को अपने उत्पादों की बिक्री और प्रचार के लिए अब नया मंच मिल गया है। शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, चंडीगढ़ पर बुधवार को वन एयरपोर्ट वन प्रोडक्ट (OAOP)/AVSAR योजना के तहत एक विशेष स्टॉल का शुभारंभ किया गया।

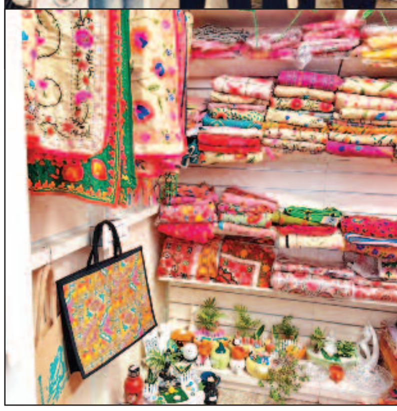

इस स्टॉल का उद्घाटन एमएसएमई विकास एवं सुविधा कार्यालय (MSME-DFO), लुधियाना के संयुक्त निदेशक पंकज कुमार झा और उद्योग विभाग, यूटी चंडीगढ़ के कार्यालय अधीक्षक विशाल सभरवाल ने किया। इस दौरान उद्योग विभाग और टरटए-DFO के अधिकारी भी मौजूद रहे। यह स्टॉल NABARD समर्थित स्वयं सहायता समूह (SHG) के सहयोग से संचालित किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों, विशेषकर पारंपरिक कारीगरों, को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन के लिए स्थायी मंच उपलब्ध कराना है। इससे उन्हें व्यापक बाजार तक पहुंच मिलेगी और स्थानीय हस्तशिल्प को नई पहचान मिलेगी। हवाई अड्डे पर स्थापित इस स्टॉल के माध्यम से देश-विदेश से आने वाले यात्री स्थानीय स्तर पर तैयार उत्पादों को देख और खरीद सकेंगे। इससे कारीगरों की आय बढ़ाने, सूक्ष्म उद्यमों को प्रोत्साहन देने और 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

'मां से कहा था, रात साढ़े नौ बजे तक लौट आऊंगा' GMCH छात्र करण की मौत से परिवार सदमे में

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/22 जुलाई। गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल सेक्टर 32 के एमबीबीएस अंतिम वर्ष के छात्र 23 वर्षीय करण संधू की मौत ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। मंगलवार शाम घर से यह कहकर निकला कि वह लाइब्रेरी में पढ़ाई करने जा रहा है और रात साढ़े नौ बजे तक लौट आएगा। लेकिन कुछ ही घंटों बाद परिवार को उसके सातवीं मंजिल से छलांग लगाकर जान देने की सूचना मिली। बुधवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा, जबकि पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। सेक्टर-32 निवासी करण दो भाइयों में छोटा था और एमबीबीएस अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रहा था। डॉक्टर बनने का उसका सपना पूरा होने में अब ज्यादा समय नहीं बचा था। परिवार के अनुसार वह पढ़ाई में गंभीर होने के साथ-साथ बेहद खुशमिजाज और मिलनसार स्वभाव का था। करण के पिता डॉ. सरबजोत सिंह ने नम आंखों से बताया कि बेटे ने मंगलवार शाम घर से निकलते समय मां से कहा था कि वह लाइब्रेरी में पढ़ाई करेगा और रात करीब साढ़े नौ बजे तक वापस आ जाएगा। परिवार रोज की तरह उसके लौटने का इंतजार करता रहा, लेकिन देर रात आई दुखद खबर ने उनकी दुनिया उजाड़ दी। उन्होंने कहा कि करण के व्यवहार से कभी ऐसा नहीं लगा कि वह इतनी बड़ी मानसिक पीड़ा से गुजर रहा था। घटना के बाद परिवार, रिश्तेदारों और परिचितों का घर पर तांता लगा रहा। हर किसी के लिए यह विश्वास करना मुश्किल था कि

हमेशा मुस्कुराने वाला करण अब इस दुनिया में नहीं रहा। मेडिकल कॉलेज के छात्रों और शिक्षकों में भी शोक की लहर है। पुलिस जांच में सामने आया है कि घटना से पहले करण ने कई दोस्तों को सामान्य संदेश भेजे थे, जबकि कुछ करीबी मित्रों से उसने लंबे समय से मानसिक तनाव में होने की बात साझा की थी।

चंडीगढ़ की पार्किंग व्यवस्था में बड़ा बदलाव! घंटों के हिसाब से लगेगा शुल्क

चंडीगढ़/यूटर्न/22 जुलाई। चंडीगढ़ में पार्किंग व्यवस्था को हाईटेक और अधिक व्यवस्थित बनाने की दिशा में नगर निगम दो बड़े फैसलों की तैयारी कर रहा है। एक ओर शहर में घंटों के हिसाब से पार्किंग शुल्क लागू करने का प्रस्ताव जुलाई के अंतिम सप्ताह में होने वाली नगर निगम सदन की बैठक में दोबारा रखा जाएगा, वहीं दूसरी ओर सेक्टर-15 पटेल मार्केट और इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1 स्थित एलांते मॉल की पार्किंग को रोबोटिक मल्टीलेवल पार्किंग में विकसित करने की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जा रही है। मेयर सौरभ जोशी के निर्देश पर नगर निगम प्रशासन सदन की बैठक की तैयारी में जुट गया है। प्रस्ताव के मुताबिक मौजूदा 24 घंटे की एक समान पार्किंग फीस की जगह समय आधारित शुल्क प्रणाली लागू की जाएगी। इसके तहत हर चार घंटे के स्लॉट के अनुसार अलग-अलग पार्किंग शुल्क लिया जाएगा। निगम का तर्क है कि इससे पार्किंग स्थलों का बेहतर उपयोग होगा और लंबे समय तक वाहन खड़े रखने की प्रवृत्ति पर रोक लगेगी। हालांकि इस प्रस्ताव को लेकर राजनीतिक सहमति बनती नहीं दिख रही है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पहले ही इसका विरोध कर चुकी हैं, जबकि भाजपा के कुछ पार्षद भी शुल्क बढ़ाने के पक्ष में नहीं हैं। ऐसे में सदन में प्रस्ताव पारित होना आसान नहीं माना जा रहा। यदि प्रस्ताव खारिज होता है तो नगर निगम आयुक्त अपनी टिप्पणी के साथ इसे अंतिम निर्णय के लिए यूटी प्रशासन को भेज सकते हैं।

चंडीगढ़ सहकारिता नीति-2026 लॉन्च, सेवा सहकारी समितियों से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

चंडीगढ़/यूटर्न/22 जुलाई। पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने बुधवार को चंडीगढ़ सहकारिता नीति-2026 का शुभारंभ किया। नई नीति का उद्देश्य सहकारी आंदोलन को मजबूत करना, नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा करना है। इस अवसर पर मुख्य सचिव एच. राजेश प्रसाद, राज्यपाल के अतिरिक्त मुख्य सचिव विवेक प्रताप सिंह, गृह सचिव मनदीप सिंह बराड़, सचिव आतिथ्य स्वप्निल एम. नाइक, अतिरिक्त उपायुक्त अमनदीप सिंह भट्टी सहित प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। नई नीति में चंडीगढ़ के शहरी स्वरूप को ध्यान में रखते हुए सेवा सहकारी समितियों पर विशेष जोर दिया गया है। ये समितियां बिजली मरम्मत, प्लंबिंग, पेंटिंग, सफाई, सौर ऊर्जा स्थापना और अन्य घरेलू मरम्मत सेवाएं उपलब्ध कराएंगी। इससे नागरिकों को विश्वसनीय और किफायती सेवाएं मिलेंगी, जबकि युवाओं, महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

- प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने किया शुभारंभ, 2027 तक 50 नई सहकारी समितियां बनाने का लक्ष्यट्रॉफी राष्ट्रीय अंडर-16 प्रतियोगिता में द्रविड़ और सहवाग आमने-सामने हैं।

नीति के तहत 31 दिसंबर 2027 तक 50 नई सहकारी समितियों के गठन का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा, प्रशिक्षण, बैंक ऋण और थोक खरीद जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही, नीति के प्रभावी क्रियान्वयन और निगरानी के लिए चंडीगढ़ सहकारी विकास प्राधिकरण का गठन किया जाएगा। प्रशासन का मानना है कि यह नीति सेवा आधारित सहकारी समितियों को मजबूत करने, स्थानीय रोजगार बढ़ाने और शहर में नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

महिला ने बॉयफ्रेंड संग मिलकर की पति की हत्या, 40 हजार के लालच में की वारदात, 5 गिरफ्तार

पंजाब/यूटर्न/22 जुलाई। गुरदासपुर जिले के बटाला में एक महिला ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर महज 40 हजार रुपये के लिए पति की हत्या करवा दी। पुलिस ने इस ब्लाइंड मर्डर केस को सुलझाते हुए पत्नी, उसके प्रेमी और वारदात में शामिल कुल 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वारदात में इस्तेमाल की गई कार और हथियार भी बरामद कर लिए गए हैं। इस हत्याकांड का खुलासा डीएसपी फतेहगढ़ चूड़ियां ललित कुमार ने थाना सदर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान किया। उन्होंने बताया कि करीब दो महीने पहले 13 मई को हाईवे पर एक कार में पिंका नामक व्यक्ति का शव मिला था। शुरूआती जांच में इसे दुर्घटना माना गया था। हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस को संदेह हुआ कि यह दुर्घटना नहीं, बल्कि हत्या है। पुलिस ने गहन जांच शुरू की, जिसमें तकनीकी साक्ष्य महत्वपूर्ण साबित हुए। पूछताछ के दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि मृतक पिंका की हत्या उसकी पत्नी रेखा ने ही करवाई थी।

फोन डिटेल्स से अवैध संबंधों का चला पता... डीएसपी ललित कुमार ने बताया कि एसएचओ सदर बिक्रमजीत सिंह और उनकी टीम ने जब रेखा के फोन डिटेल्स खंगाले, तो पता चला कि उसके किसी अन्य व्यक्ति से अवैध संबंध थे। रेखा ने अपने प्रेमी और तीन अन्य युवकों को पैसे का लालच देकर अपने पति की हत्या की साजिश रची और उसे अंजाम दिया। पुलिस ने अब इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

यूटर्न टाइम

प्रधानमंत्री आवास घेराव के कांग्रेस के प्रयास के विरोध में भाजपा का प्रदर्शन, कांग्रेस भवन तक निकाला मार्च

चंडीगढ़/यूटर्न/22 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास का घेराव करने के कांग्रेस के प्रयास के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चंडीगढ़ ने बुधवार को जोरदार प्रदर्शन किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने सेक्टर-33 स्थित प्रदेश कार्यालय 'कमलम' से मार्च निकाला और सेक्टर-35 स्थित कांग्रेस भवन की ओर कूच कर विरोध जताया। प्रदर्शन का नेतृत्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा ने किया। प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की। बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पर लोकतांत्रिक मर्यादाओं के उल्लंघन और राजनीतिक स्वार्थ के लिए विरोध की राजनीति करने का आरोप लगाया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा ने कहा कि कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और केंद्र सरकार के विकास कार्यों से घबराकर अनैतिक और अलोकतांत्रिक तरीके अपना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और राहुल गांधी लगातार झूठे प्रचार और भ्रम फैलाकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन देश की जनता उनकी राजनीति को समझ चुकी है।

DMC की सर्जरी यूनिट से ड्रेसिंग सामग्री चोरी, अस्पताल के कर्मचारी पर केस दर्ज

सुनील पांडेय

लुधियाना/यूटर्न/22 जुलाई। शहर के प्रतिष्ठित दयानंद मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (DMC) में अस्पताल के ही एक कर्मचारी द्वारा सर्जरी यूनिट से ड्रेसिंग सामग्री चोरी करने का मामला सामने आया है। घटना का खुलासा होने के बाद अस्पताल प्रबंधन की शिकायत पर थाना डिवीजन नंबर-8 पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अस्पताल के चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर संजीव कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 16 जुलाई को सर्जरी यूनिट-IV से ड्रेसिंग में इस्तेमाल होने वाली सामग्री गायब होने की सूचना मिली थी। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने आंतरिक जांच करवाई। जांच के दौरान यूनिट में तैनात एक कर्मचारी पर चोरी करने का संदेह गहरा गया। उपलब्ध तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस को शिकायत सौंपी गई। पुलिस ने मामले में हैबोवाल कलां के राजेश नगर निवासी निखिल को नामजद किया है। वह अस्पताल में कर्मचारी कोड-25266 के तहत क्लीनर-कम-हेल्पर के पद पर कार्यरत था। आरोप है कि ड्यूटी के दौरान मिली पहुंच का फायदा उठाकर उसने सर्जरी यूनिट-IV से ड्रेसिंग सामग्री चोरी कर ली। थाना डिवीजन नंबर-8 पुलिस ने अस्पताल के चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपित के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 306 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

नूद्दीन नकशबंदी बने मुस्लिम डेवलपमेंट बोर्ड हलका जगरांव के चेयरमैन

-चरणजीत सिंह चन्न-

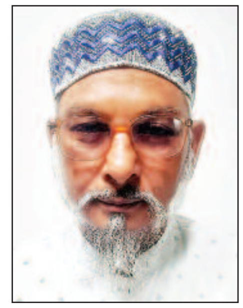

जगरांव/यूटर्न/22/जुलाई। आम आदमी पार्टी द्वारा पंजाब में विभिन्न बिरादरियों के नेताओं को अहम जिम्मेदारियों से नवाजा जा रहा है। इसी कड़ी के तहत, हलका जगरांव में पीर बाबा मोहकमदीन दरगाह के गद्दी नशीन और सूफी संत नूरदीन नकशबंदी को मुस्लिम डेवलपमेंट बोर्ड हलका जगरांव का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर खुशी जाहिर करते हुए नूद्दीन जी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, मुस्लिम डेवलपमेंट बोर्ड के स्टेट चेयरमैन अब्दुल बरी सलमानी और हलका जगरांव से विधायक बीबी सरबजीत कौर मानूके समेत पार्टी की पूरी लीडरशिप का तहदिल से धन्यवाद किया। इस अवसर पर नूद्दीन जी ने विश्वास दिलाया कि वह पार्टी द्वारा सौंपी गई इस नई जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी, निष्ठा, कड़ी मेहनत और समर्पण भाव से निभाएंगे तथा समाज के विकास के लिए पूरी तन्मयता से कार्य करेंगे।

पांच गांवों को मिली पानी की टंकियां, विधायक रंधावा ने किया लोकार्पण

डेराबस्सी/यूटर्न/22 जुलाई। डेराबस्सी विधानसभा क्षेत्र के पांच गांवों में पेयजल सुविधा को मजबूत करने के उद्देश्य से विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने बुधवार को राजोमाजरा, पंडवाला, खेड़ी गुज्जरां, गुरु नानक कॉलोनी और झवांसा में पानी की टंकियों का लोकार्पण किया।

विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने कहा कि इन पानी की टंकियों से ग्रामीणों की रोजमर्रा की पेयजल जरूरतें बेहतर ढंग से पूरी होंगी। साथ ही आगजनी जैसी आपात स्थितियों में भी इनका उपयोग किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और लोगों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि गांवों में विकास कार्य स्थानीय जरूरतों के अनुसार कराए जा रहे हैं ताकि ग्रामीणों को भी शहरों जैसी सुविधाएं मिल सकें। सरकार का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना और मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करना है। कार्यक्रम में संबंधित गांवों के सरपंच, ब्लॉक समिति चेयरमैन प्रदीप सचदेवा, ब्लॉक समिति सदस्य, बीडीपीओ डेराबस्सी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

CEIR पोर्टल का कमाल: पुलिस ने ढूंढ निकाला खोया हुआ मोबाइल, मालिक के चेहरे पर लौटी मुस्कान

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/22/जुलाई। एसएसपी डॉ. अंकुर गुप्ता के नेतृत्व में लुधियाना ग्रामीण पुलिस ने एक बार फिर जनसेवा की बेहतरीन मिसाल पेश की है। पुलिस जिला लुधियाना ग्रामीण के साइबर क्राइम थाने ने आधुनिक तकनीक और उएक्र (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) पोर्टल की मदद से एक गुमशुदा मोबाइल फोन को सफलतापूर्वक ट्रेस कर उसके असली मालिक को वापस सौंप दिया है।

त्वरित कार्रवाई: साइबर क्राइम सेल की टीम ने तकनीक का इस्तेमाल कर गुम हुए फोन की सटीक लोकेशन का पता लगाया।

सुरक्षित बरामदगी: पुलिस ने बिना किसी देरी के आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए फोन को सुरक्षित बरामद किया।

बढ़ता जन-विश्वास: फोन वापस मिलने पर गदगद हुए मालिक ने लुधियाना ग्रामीण पुलिस का तहे दिल से शुक्रिया अदा किया और कहा कि पुलिस की इस मुस्तैदी से आम जनता का सिस्टम पर विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है।

पुलिस का संदेश: लुधियाना ग्रामीण पुलिस ने जनता को आश्वस्त किया है कि वे नागरिकों की सुरक्षा और सहायता के लिए हमेशा तत्पर हैं। इससे पहले भी साइबर क्राइम विंग द्वारा कई गुमशुदा फोन उनके असली मालिकों तक पहुंचाए जा चुके हैं।

तमन्ना भाटिया का खूबसूरत अंदाज वायरल, फिटनेस की भी हो रही तारीफ

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया अपनी खूबसूरती और फिटनेस को लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं। हाल ही में सामने आई उनकी तस्वीर में वह बेहद ग्लैमरस और आत्मविश्वास से भरपूर नजर आ रही हैं। तमन्ना का स्टाइलिश लुक सोशल मीडिया पर प्रशंसकों को खूब पसंद आ रहा है। फिटनेस को लेकर तमन्ना काफी अनुशासित मानी जाती हैं। नियमित वर्कआउट, योग और संतुलित खानपान उनकी दिनचर्या का अहम हिस्सा है। उनकी ग्लोइंग स्किन, आकर्षक व्यक्तित्व और शानदार फैशन सेंस फैंस का ध्यान खींच रहा है। प्रशंसक उनके इस लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

'मुझे घसीटते हुए पुलिस फुसफुसाई– 'सरकार हटाइए'', राहुल गांधी का तंज

चंडीगढ़/यूटर्न/22 जुलाई। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने उनसे चुपके से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास के बाहर चल रहे विरोध प्रदर्शन की जगह से चले जाने को कहा। अधिकारी ने उनसे कहा कि सरकार इस प्रदर्शन को लेकर 'घबरा' गई है और टकराव से बचना चाहती है।

राहुल गांधी के अनुसार, कांग्रेस के नेतृत्व में हो रहे धरने के दौरान अधिकारी उनके पास आया और धीरे से कहा कि विरोध प्रदर्शन के बढ़ते राजनीतिक असर के कारण सरकार दबाव में है। गांधी ने दावा किया कि उन्होंने वहां से जाने से इनकार कर दिया और कहा कि जब तक सरकार विपक्ष की मांगों को पूरा नहीं करती, तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा।

यह विरोध प्रदर्शन कांग्रेस नेताओं ने प्रधानमंत्री आवास के बाहर आयोजित किया था। यह प्रदर्शन NEET विवाद को लेकर छात्रों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई के बाद किया गया था। राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी वाड्रा और INDIA गठबंधन के कई नेताओं ने इस धरने में हिस्सा लिया। उन्होंने केंद्र से जवाबदेही और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की।

विरोध प्रदर्शन के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों और विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों का जवाब देने के बजाय लोकतांत्रिक आवाजों को दबाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन एक संवैधानिक अधिकार है और केंद्र पर असहमति को दबाने के लिए पुलिस कार्रवाई का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेताओं ने यह भी दावा किया कि सुरक्षा कर्मियों की भारी तैनाती से पता चलता है कि सरकार इस मुद्दे पर बढ़ते जन-आक्रोश से असहज है।

हाई-सिक्योरिटी वाले लोक कल्याण मार्ग इलाके के आसपास भारी सुरक्षा बल तैनात किए गए थे। सरकार के प्रतिनिधियों और विपक्षी नेताओं के बीच बातचीत से कोई नतीजा नहीं निकलने के बाद, दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाया और राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और विपक्ष के कई अन्य नेताओं को हिरासत में ले लिया।

हालांकि, इखढ ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज कर दिया। पार्टी का कहना है कि प्रधानमंत्री आवास के आसपास सुरक्षा नियमों से समझौता नहीं किया जा सकता और पुलिस ने कानून के अनुसार कार्रवाई की है। पार्टी नेताओं ने कांग्रेस पर जनता की सहानुभूति हासिल करने के लिए हाई-सिक्योरिटी जोन में राजनीतिक तमाशा करने का आरोप लगाया।

इस घटना ने कांग्रेस और इखढ के बीच राजनीतिक टकराव को और बढ़ा दिया है। विपक्ष सरकार पर असहमति को दबाने का आरोप लगा रहा है, जबकि केंद्र ने पुलिस कार्रवाई का बचाव किया है और इतनी संवेदनशील जगह पर विरोध प्रदर्शन की आलोचना की है। संसद का सत्र चल रहा है और ठएएळ विवाद राजनीतिक चर्चाओं में छाया हुआ है, ऐसे में उम्मीद है कि यह टकराव आने वाले दिनों में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तनातनी को और बढ़ाएगा।

मनीमाजरा की समस्याओं को लेकर निगम चीफ इंजीनियर ने आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों के साथ की बैठक, समयबद्ध समाधान के निर्देश

चंडीगढ़/यूटर्न/22 जुलाई। मनीमाजरा क्षेत्र की नागरिक समस्याओं के समाधान और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से नगर निगम चंडीगढ़ के चीफ इंजीनियर संजय अरोड़ा ने बुधवार को रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (फहअ) के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी और डिप्टी मेयर सुमन शर्मा भी मौजूद रहीं। बैठक में मनीमाजरा क्षेत्र से जुड़ी कई प्रमुख समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों ने खराब सड़कों, लंबित सड़क मरम्मत और री-कारपेटिंग कार्य, समय पर बिटुमेन की उपलब्धता, पेयजल आपूर्ति, कई इलाकों में कम पानी के दबाव, पुरानी पानी की पाइपलाइनों को बदलने, स्मार्ट वाटर मीटर लगाने और सीवरेज व्यवस्था से संबंधित मुद्दे उठाए। विशेष रूप से पिपलीवाला टाउन क्षेत्र में सीवरेज और बरसाती पानी की निकासी की समस्या, मानसून के दौरान जलभराव रोकने के लिए नालों की नियमित सफाई और डीसिल्टिंग की मांग भी रखी गई।

पहले नैरेटिव खत्म करो, फिर विरोध

संदीप शर्मा, सम्पादक

एक समय था जब सरकारें विरोध प्रदर्शनों को तितर-बितर कर देती थीं। अब वे पहले उन्हें बदनाम करने की कोशिश करती हैं।

अगर जंतर-मंतर पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) के विरोध प्रदर्शन की घटनाओं को देखें, तो लड़ाई अब सड़कों और बैरिकेड्स की नहीं रही। यह लड़ाई अब लोगों की सोच या 'परसेप्शन' की है। एक विरोध प्रदर्शन जो शांतिपूर्ण होने का दावा करता है, अचानक खुद को ट्रकों में भरे पत्थरों, टीवी स्क्रीन पर दिख रही क्षतिग्रस्त गाड़ियों और वर्दीधारी पुलिसकर्मियों के साथ सादे कपड़ों में लाठी लिए लोगों से घिरा हुआ पाता है।

साफ सवाल यह है: यह पटकथा कौन लिख रहा है?

एक और बात भी हैरान करने वाली है। विरोध प्रदर्शन के दौरान दिखे कई पुलिसकर्मियों के पास कथित तौर पर कोई पहचान-पत्र (बैज) नहीं था।

क्यों?

अगर पुलिस सिर्फ कानून लागू कर रही है, तो किसी को अपनी पहचान बताने वाला बैज पहनने में हिचकिचाहट क्यों होनी चाहिए? बैज जनता की सुरक्षा करता है। यह ईमानदार पुलिस अधिकारियों को झूठे आरोपों से भी बचाता है।

सिवाय इसके कि पहचान छिपाना अचानक वर्दी का हिस्सा बन गया हो। फिर सादे कपड़ों में लाठी लिए वे लोग भी हैं।

वे असल में कौन हैं?

पुलिस?

वॉलंटीयर्स?

उस दिन के 'शो' के लिए हायर किए गए एक्स्ट्रा कलाकार?

जब कोई नागरिक अधिकृत पुलिस अधिकारी और लाठी लिए अनजान व्यक्ति के बीच फर्क नहीं कर पाता, तो लोकतंत्र खतरनाक स्थिति में पहुँच जाता है।

और वे पत्थर।

कितनी कमाल की टाइमिंग है।

ठीक उसी समय जब देश हाल के वर्षों के सबसे बड़े विरोध प्रदर्शनों में से एक को देख रहा है, ट्रकों में भरे पत्थर आसानी से सीन में आ जाते हैं।

लगभग उम्मीद होती है कि अगले सीन में एक वॉइस-ओवर सुनाई देगा:

'किसी भी स्वाभाविक घटना से समानता पूरी तरह से संयोग है।'

क्षतिग्रस्त गाड़ियों का भी खास ज़िक्र होना चाहिए।

वे इतनी पाबंदी से सामने आती हैं कि सरकारी नौकरी के लिए भी आवेदन कर सकती हैं। हर शाम, वे दर्शकों को पूरी ईमानदारी से याद दिलाती हैं कि प्रदर्शनकारी हिंसक रहे होंगे।

जांच?

सबूत?

वे इंतजार कर सकते हैं।

विजुअल्स ने पहले ही फैसला सुना दिया है।

फिर भी टीवी फ्रेम के बाहर, एक और भारत चुपचाप बोल रहा है और कॉकरोचों के समर्थन में खड़ा है। देश के हर कोने से लोग स्विगी और जोमैटो के जरिए उखढ प्रदर्शनकारियों के लिए खाना ऑर्डर कर रहे हैं।

कोई भारत के किसी कोने से लंच के पैसे दे रहा है। कोई चाय ऑर्डर कर रहा है। बेंगलुरु में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर डिनर ऑर्डर करता है। भारत के किसी हिस्से से एक रिटायर्ड टीचर पानी की बोतलों का खर्च उठाता है।

लोग ऐसे आंदोलन पर ऐसी प्रतिक्रिया नहीं देते जिसे वे हिंसक मानते हों। वे ऐसे आंदोलन पर ऐसी प्रतिक्रिया देते हैं जिसे वे समर्थन के लायक समझते हैं।

शायद यही बात कुछ लोगों को परेशान कर रही है। क्योंकि जब पूरी तरह अनजान लोग प्रदर्शनकारियों को खाना खिला रहे हों, तो उन्हें विलेन के तौर पर दिखाना मुश्किल होता है।

यह अंतर बहुत साफ है। एक तरफ, देश को पत्थर, टूटी हुई गाड़ियाँ और कथित अव्यवस्था की तस्वीरें दिखाई जाती हैं। दूसरी तरफ, आम नागरिक फूड डिलीवरी ऐप खोलकर अपने पैसे खर्च करते हैं ताकि प्रदर्शनकारी—जिनसे वे कभी नहीं मिले—भूखे न रहें। एक नैरेटिव खतरे की बात करता है; दूसरा एकजुटता की। दोनों बातें एक साथ सच नहीं हो सकतीं।

इतिहास गवाह है कि सरकारें शायद ही कभी जनता की राय को गढ़ने की कोशिश करके जीतती हैं। वे मुश्किल सवालों के जवाब देकर जीतती हैं। अगर किसी आंदोलन में कमियाँ हैं, तो उन्हें तथ्यों के साथ सामने लाएँ। अगर प्रदर्शनकारियों ने कानून तोड़ा है, तो सबूतों के साथ उन पर मुकदमा चलाएँ। लेकिन अगर रणनीति यह है कि तथ्यों के सामने आने से पहले ही ऐसा माहौल बनाया जाए जिसमें हर प्रदर्शनकारी दोषी दिखे, तो इससे न सिर्फ एक आंदोलन कमजोर होता है, बल्कि संस्थाओं में जनता का भरोसा भी कमजोर होता है।

किसी आंदोलन को कमजोर करने का सबसे आसान तरीका है उसके सवालों का जवाब न देना। तरीका है—मुद्दा बदल देना।

मांगों के बजाय पत्थरों की बात करना।

टूटे वादों के बजाय टूटे शीशों की बात करना।

नुकसान पहुँची संस्थाओं के बजाय नुकसान पहुँची गाड़ियों की बात करना।

हो सकता है कल और भी नाटकीय तस्वीरें सामने आएँ।

शायद पत्थरों से भरा एक और ट्रक।

शायद एक और टूटी हुई विंडस्क्रीन।

शायद लाठियों के साथ कुछ और अनजान लोग। लेकिन एक सवाल बना रहेगा।

अगर आंदोलन सचमुच हिंसक है, तो सबूतों को सामने आने दें।

अगर यह सचमुच शांतिपूर्ण है, तो वह भी दिखना चाहिए। लोकतंत्र में, सरकारों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने की उम्मीद की जाती है—न कि दिखावा करने की।

क्योंकि जब कहानी से ज्यादा स्क्रिप्ट अहम हो जाती है, तो दर्शक आखिरकार डायरेक्टर पर भरोसा करना छोड़ देते हैं।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma

तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।

Contact - +91 9814295372